THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Late in the afternoon of 10 May 1857, the sepoys in the cantonment of Meerut broke out in mutiny. It began in the lines of the native infantry, spread very swiftly to the cavalry and then to the city.

10 मई 1857 की दोपहर बाद मेरठ छावनी में सिपाहियों ने विद्रोह कर दिया। हलचल की शुरुआत भारतीय सैनिकों से बनी पैदल सेना से हुई थी जो जल्द ही घुड़सवार फ़ौज और फिर शहर तक फैल गई।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The sepoys captured the bell of arms where the arms and ammunition were kept and proceeded to attack white people, and to ransack and burn their bungalows and property. Government buildings – the record office, jail, court, post office, treasury, etc. – were destroyed and plundered.

सिपाहियों ने शस्त्रागार पर क़ब्ज़ा कर लिया जहां हथियार और गोला-बारूद रखे हुए थे। इसके बाद उन्होंने गोरों पर निशाना साधा और उनके बंगलों, साजो-सामान को तहस-नहस करना और जलाना-फूँकना शुरू कर दिया। रिकॉर्ड दफ्तर, . जेल, अदालत, डाकखाने, सरकारी खजाने, जैसी सरकारी इमारतों को लूटकर तबाह किया जाने लगा।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The sepoys arrived at the gates of the Red Fort early in the morning on 11 May. It was the month of Ramzan, the Muslim holy month of prayer and fasting.

यह जत्था 11 मई को तड़के लाल क़िले के फाटक पर पहुँचा। रमज़ान का महीना था।

चित्र 11.1
बहादुर शाह का चित्र

The old Mughal emperor, Bahadur Shah, had just finished his prayers and meal before the sun rose and the fast began. He heard the commotion at the gates.

मुग़ल सम्राट बहादुर शाह नमाज़ पढ़कर और सहरी (रोज़े के दिनों में सूरज उगने से पहले का भोजन) खाकर उठे थे। उन्हें फाटक पर हो-हल्ला सुनाई दिया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The sepoys who had gathered under his window told him: "We have come from Meerut after killing all the Englishmen there, because they asked us to bite bullets that were coated with the fat of cows and pigs with our teeth. This has corrupted the faith of Hindus and Muslims alike."

बाहर खड़े सिपाहियों ने जानकारी दी कि "हम मेरठ के सभी अंग्रेज़ पुरुषों को मारकर आए हैं क्योंकि वे हमें गाय और सुअर की चर्बी में लिपटे कारतूस दाँतों से खींचने के लिए मजबूर कर रहे थे। इससे हिंदू और मुसलमान, सबका धर्म भ्रष्ट हो जाएगा।"

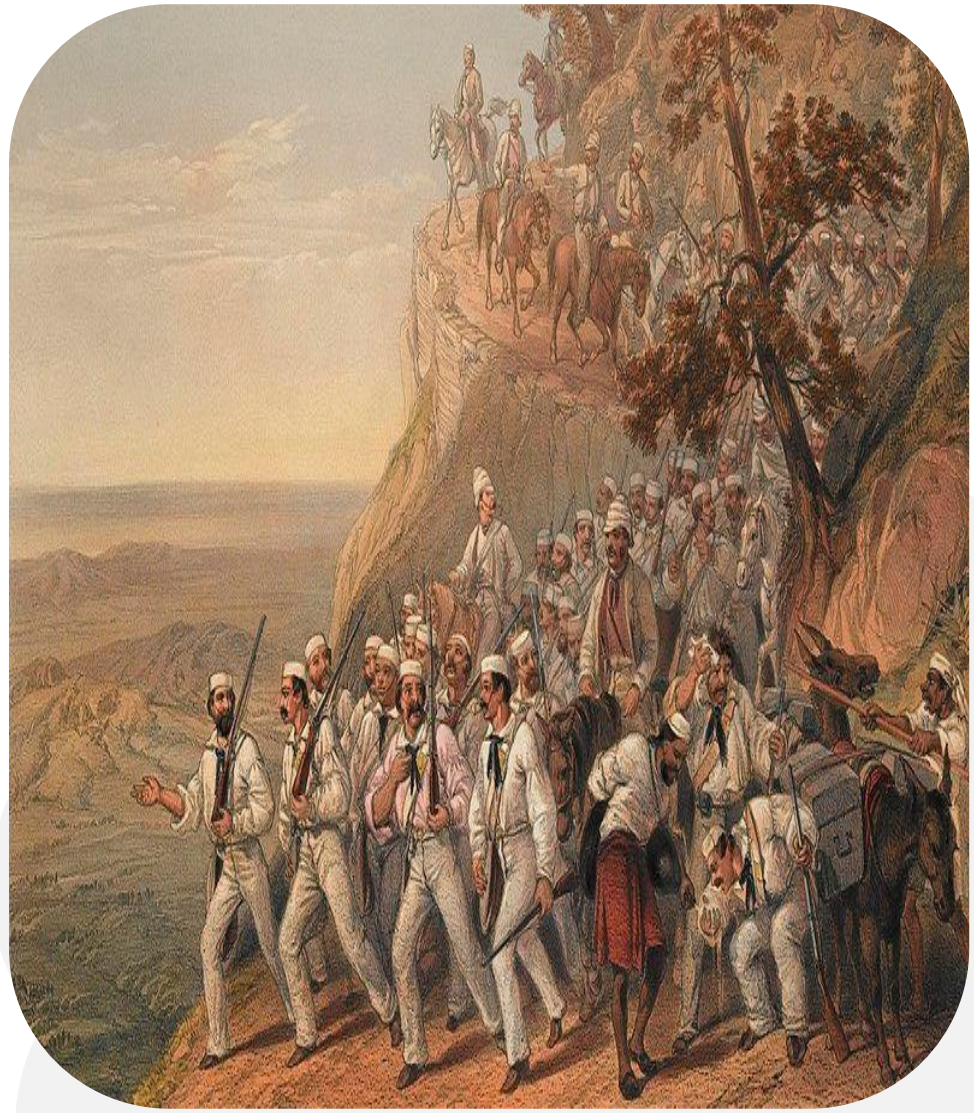

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Firangi, a term of Persian origin, possibly derived from Frank (from which France gets its name), is used in Urdu and Hindi, often in a derogatory sense, to designate foreigners.

फ़िरंगी, फ़ारसी भाषा का शब्द है जो संभवतः फ्रैंक (जिससे फ्रांस का नाम पड़ा है) से निकला है। इसे उर्दू और हिंदी में पश्चिमी लोगों का मज़ाक उड़ाने के लिए कभी-कभी इसका प्रयोग अपमानजनक दृष्टि से भी किया जाता है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Pattern of the Rebellion (How the mutinies began)

❖ विद्रोह का ढर्रा (सैन्य विद्रोह कैसे शुरू हुए)

The sepoys began their action with a signal: in many places it was the firing of the evening gun or the sounding of the bugle. They first seized the bell of arms and plundered the treasury.

सिपाहियों ने किसी न किसी विशेष संकेत के साथ अपनी कार्रवाई शुरू की। कई जगह शाम के समय तोप का गोला दाग़ा गया तो कहीं बिगुल बजाकर विद्रोह का संकेत दिया गया। सबसे पहले उन्होंने शस्त्रागार पर क़ब्ज़ा किया और सरकारी ख़ज़ाने को लूटा।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

When ordinary people began joining the revolt, the targets of attack widened.

विद्रोह में आम लोगों के भी शामिल हो जाने के साथ-साथ हमलों का दायरा फैल गया।

The mutiny in the sepoy ranks quickly became a rebellion.

सिपाहियों की क़तारों में हुए इन छिटपुट विद्रोहों ने जल्दी ही एक चौतरफ़ा विद्रोह का रूप ले लिया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The British had no answer to the actions of the rebels.

अंग्रेज़ों के पास विद्रोहियों की कार्रवाइयों का कोई जवाब नहीं था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Ordinary life in extraordinary times

What happened in the cities during the months of the revolt? How did people live through those months of tumult? How was normal life affected? Reports from different cities tell us about the breakdown in routine activities. Read these reports from the Delhi Urdu Akhbar, 14 June 1857:

❖असामान्य समय में सामान्य जीवन

विद्रोह के महीनों में शहरों में क्या हुआ? उथल-पुथल के उन दिनों में लोग अपनी ज़िंदगी कैसे जी रहे थे? सामान्य जीवन किस तरह प्रभावित हुआ? विभिन्न शहरों की रिपोर्टों से पता चलता है कि सामान्य गतिविधियां अस्त-व्यस्त हो गई थीं। दिल्ली उर्दू अख़बार, 14 जून 1857 की इन रिपोर्टों को पढ़िए :

The same thing is true for vegetables and saag (spinach). People have been found to complain that even kaddu (pumpkin) and baingan (brinjal) cannot be found in the bazaars.

यही हालात सब्ज़ियों और साग (पालक) के भी हैं। लोग इस बात पर शिकायत कर रहे हैं कि बाज़ारों में कद्दू और बैंगन तक नहीं मिलते।

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Potatoes and arvi (yam) when available are of stale and rotten variety, stored from before by farsighted kunjras (vegetable growers). From the gardens inside the city some produce does reach a few places but the poor and the middle class can only lick their lips and watch them (as they are earmarked for the select).

आलू और अरबी अगर मिलती भी हैं तो बासी, सड़ी जिसे कुँजड़ों (सब्ज़ी बेचने वाले) ने रोक कर (जमाकर) रखा हुआ था। शहर में स्थित बाग़-बगीचों से कुछ माल चंद इलाकों तक पहुँच जाता है लेकिन ग़रीब और मध्यवर्ग वाले उन्हें देखकर बस होठों पर जीभ फिरा कर रह जाते हैं (क्योंकि वे चीज़ें खास लोगों के लिए ही हैं)।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

... There is something else that needs attention which is causing a lot of damage to the people which is that the water-carriers have stopped filling water. Poor Shurfas (gentility) are seen carrying water in pails on their shoulders and only then the necessary household tasks such as cooking, etc. can take place.

... यहां एक और चीज़ पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे लोगों को बड़ा नुकसान हो रहा है। मामला यह है कि पानी भरने वालों ने पानी भरना बंद कर दिया है। ग़रीब शुरफ़ा (शरीफ लोग) ख़ुद घड़ों में पानी भरकर लाते हैं और तब जाकर घर में खाना बनता है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The halalkhors (righteous) have become haramkhors (corrupt), many mohallas have not been able to earn for several days and if this situation continues then decay, death and disease will combine together to spoil the city's air and an epidemic will spread all over the city and even to areas adjacent and around.

हलालख़ोर हरामख़ोर हो गए हैं। कई दिनों से बहुत सारे मोहल्लों में कोई आमदनी नहीं हुई है और यही हालात बने रहे तो गंदगी, मौत और बीमारियां शहर की आबो-हवा ख़राब कर देंगी और शहर महामारी की गिरफ्त में आ जाएगा, यहां तक कि आस-पास के इलाके भी उसकी चपेट में आ जाएँगे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Lines of communication

❖ संचार के माध्यम

It is clear that there was communication between the sepoy lines of various cantonments.

इसमें कोई शक नहीं कि विभिन्न छावनियों के सिपाहियों के बीच अच्छा संचार बना हुआ था।

Sepoys or their emissaries moved from one station to another.

सिपाही या उनके संदेशवाहक एक जगह से दूसरी जगह जा रहे थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

लखनऊ में ब्रिटिश लोगों के ख़िलाफ़ हमलें में आम लोग भी सिपाहियों के साथ आ जुटते हैं।

The pattern of the mutinies and the pieces of evidence that suggest some sort of planning and coordination raise certain crucial questions. How were the plans made? Who were the planners?

विद्रोहों की बनावट और जिन साक्ष्यों के आधार पर एसा लगता है कि इन विद्रोहों में एक योजना और समन्वय था, उनको देखकर कुछ अहम सवाल खड़े होते हैं। य योजनाएँ कैसे बनाई गइं? योजनाकार कौन थे?

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

It is difficult on the basis of the available documents to provide direct answers to such questions. But one incident provides clues as to how the mutinies came to be so organised.

मौजूदा दस्तावेज़ों के आधार पर इन सवालों के सीधे-सीधे जवाब देना कठिन है। फिर भी, एक घटना इस बारे में कुछ सुराग़ ज़रूर देती है कि य विद्रोह इतने सुनियोजित कैसे थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The Military Police refused to do either, and it was decided that the matter would be settled by a panchayat composed of native officers drawn from each regiment.

मिलिट्री पुलिस ने दोनों दलीलें ख़ारिज कर दीं। अब यह तय किया गया कि इस मामले को हल करने के लिए हर रेजीमेंट के देशी अफ़सरों की एक पंचायत बुलाई जाए।

The sepoys were the makers of their own rebellion.

य सिपाही अपने विद्रोह के कर्ताधर्ता ख़ुद ही थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Sisten and the tahsildar

In the context of the communication of the message of revolt and mutiny, the experience of François Sisten, a native Christian police inspector in Sitapur, is telling. He had gone to Saharanpur to pay his respects to the magistrate.

❖ सिस्टन और तहसीलदार

विद्रोह और सैनिक अवज्ञा के संदर्भ में सीतापुर के देसी ईसाई पुलिस इंसपेक्टर फ्रांस्वां सिस्टन का अनुभव हमें बहुत कुछ बताता है। वह मजिस्ट्रेट के पास शिष्टाचारवश मिलने सहारनपुर गया हुआ था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Sisten was dressed in Indian clothes and sitting cross-legged. A Muslim tahsildar from Bijnor entered the room; upon learning that Sisten was from Awadh, he enquired, "What news from Awadh? How does the work progress, brother?"

सिस्टन हिंदुस्तानी कपड़े पहने था और आलथी-पालथी मारकर बैठा था। इसी बीच बिजनौर का एक मुस्लिम तहसीलदार कमरे में दाखिल हुआ। जब उसे पता चला कि सिस्टन अवध में तैनात है तो उसने पूछा, "क्या ख़बर है अवध की? काम कैसा चल रहा है?"

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Playing safe, Sisten replied, "If we have work in Awadh, your highness will know it." The tahsildar said, "Depend upon it, we will succeed this time. The direction of the business is in able hands." The tahsildar was later identified as the principal rebel leader of Bijnor.

सिस्टन ने कहा, "अगर हमें अवध में काम मिलता है तो जनाब-ए-आली को भी पता चल जाएगा।" इस पर तहसीलदार ने कहा, "भरोसा रखो, इस बार हम कामयाब होंगे। मामला काबिल हाथों में है।" बाद में पता चला कि यह तहसीलदार बिजनौर के विद्रोहियों का सबसे बड़ा नेता था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Leaders and followers

❖ नेता और अनुयायी

One of the first acts of the sepoys of Meerut, as we saw, was to rush to Delhi and appeal to the old Mughal emperor to accept the leadership of the revolt.

जैसा कि हम पीछे देख चुके हैं, मेरठ के सिपाहियों ने सबसे पहले जो काम किए उनमें एक यह था कि वे फ़ौरन दिल्ली गए और उन्होंने बूढ़े हो चुके मुग़ल बादशाह से विद्रोह का नेतृत्व स्वीकार करने की दरख़्वास्त की।

नाना साहिब

1858 के अंत में जब विद्रोह विफल हो गया तो नाना साहिब भाग कर नेपाल चले गए। उनके भागने की घटना को नाना साहिब के साहस और बहादुरी की कहानी का हिस्सा बताया जाता है।

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

This acceptance of leadership took its time in coming. Bahadur Shah's first reaction was one of horror and rejection.

लेकिन इस निवेदन पर सहमति हासिल करने में भी वक्त लगा। बहादुर शाह इस ख़बर पर भयभीत और . बैचेन दिखाई दिए।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

रानी लक्ष्मीबाई, एक प्रचलित चित्र

In Kanpur, the sepoys and the people of the town gave Nana Sahib, the successor to Peshwa Baji Rao II, no choice save to join the revolt as their leader. In Jhansi, the rani was forced by the popular pressure around her to assume the leadership of the uprising.

कानपुर में सिपाहियों और शहर के लोगों ने पेशवा बाजीराव द्वितीय के उत्तराधिकारी नाना साहिब के सामने बग़ावत की बागडोर संभालने के सिवा और कोई विकल्प ही नहीं छोड़ा था। झाँसी में रानी को आम जनता के दवाब में बग़ावत का नेतृत्व सँभालना पड़ा।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Not everywhere were the leaders people of the court – ranis, rajas, nawabs and taluqdars. Often the message of rebellion was carried by ordinary men and women and in places by religious men too.

सभी जगहों पर नेता दरबारों से जुड़े व्यक्ति–रानियां, राजा, नवाब, ताल्लुक़दार–नहीं थे। अकसर विद्रोह का संदेश आम पुरुषों एवं महिलाओं के ज़रिए और कुछ स्थानों पर धार्मिक लोगों के ज़रिए भी फैल रहा था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Two rebels of 1857 (Shah Mal)

Shah Mal lived in a large village in pargana Barout in Uttar Pradesh. He belonged to a clan of Jat cultivators whose kinship ties extended over chaurasee des (eighty-four villages). The lands in the region were irrigated and fertile, with rich dark loam soil.

❖ 1857 के दो विद्रोही (शाह मल)

शाह मल उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना के एक बड़े गाँव के रहने वाले थे। वह एक जाट कुटुम्ब से संबंध रखते थे जो चौरासी देस (चौरासी गाँव) में फैला हुआ था। इस इलाके की ज़मीन सिंचाई की सुविधाओं से लैस और उपजाऊ थी। यहां कि मिट्टी काली नम थी।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Many of the villagers were prosperous and saw the British land revenue system as oppressive: the revenue demand was high and its collection inflexible. Consequently cultivators were losing land to outsiders, to traders and moneylenders who were coming into the area.

बहुत सारे ग्रामीण संपन्न थे और लोग ब्रिटिश भूराजस्व व्यवस्था को दमनकारी मानते थे : लगान की दर ज़्यादा और वसूली सख़्त थी। नतीजा यह था कि किसानों की ज़मीन बाहरी लोगों के हाथ में जा रही थी। इलाक़े में आने वाले व्यापारी और महाजन ज़मीन पर क़ब्ज़ा करते जा रहे थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Shah Mal mobilised the headmen and cultivators of chaurasee des, moving at night from village to village, urging people to rebel against the British. As in many other places, the revolt against the British turned into a general rebellion against all signs of oppression and injustice.

शाह मल ने चौरासी देस के मुखियाओं और काश्तकारों को संगठित किया। इसके लिए उन्होंने रात के साए में गाँव–गाँव जाकर बात की और लोगों को अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ विद्रोह के लिए तैयार किया। बहुत सारे दूसरे स्थानों की तरह यहां भी अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ आंदोलन एक व्यापक विद्रोह में तब्दील हो गया। अब विरोध उत्पीड़न और अन्याय के तमाम चिह्नों के ख़िलाफ़ होने लगा।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Cultivators left their fields and plundered the houses of moneylenders and traders. Displaced proprietors took possession of the lands they had lost. Shah Mal's men attacked government buildings, destroyed the bridge over the river, and dug up metalled roads – partly to prevent government forces from coming into the area, and partly because bridges and roads were seen as symbols of British rule.

किसान अपने खेत छोड़कर निकल पड़े और महाजनों व व्यापारियों के घर-बार लूटने लगे। बेदख़ल भूस्वामियों ने छिन चुकी ज़मीनों पर दोबारा क़ब्ज़ा कर लिया। शाह मल के आदमियों ने सरकारी इमारतों पर हमला किया, नदी का पुल ध्वस्त कर दिया और पक्की सड़कों को खोद डाला। इसकी एक वजह यह थी कि वे सरकारी फ़ौजों का रास्ता रोकना चाहते थे। दूसरी वजह यह थी कि पुलों और सड़कों को ब्रिटिश शासन का प्रतीक माना जाता था।

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

They sent supplies to the sepoys who had mutinied in Delhi and stopped all official communication between British headquarters and Meerut. Locally acknowledged as the Raja, Shah Mal took over the bungalow of an English officer, turned it into a "hall of justice", settling disputes and dispensing judgments.

उन्होंने दिल्ली में विद्रोह करने वाले सिपाहियों को रसद पहुँचाई और ब्रिटिश हेडक्वार्टर व मेरठ के बीच तमाम सरकारी संचार बंद कर दिया। स्थानीय स्तर पर राजा कहलाने वाले शाह मल ने एक अंग्रेज़ अफ़सर के बंगले में डेरा डाला, उसे "न्याय भवन" का नाम दिया और वहीं से झगड़ों और विवादों का फ़ैसला करने लगे।

He also set up an amazingly effective network of intelligence. For a period the people of the area felt that firangi raj was over, and their raj had come. Shah Mal was killed in battle in July 1857

उन्होंने गुप्तचरी का भी हैरतअंगेज़ नेटवर्क स्थापित कर लिया था। कुछ समय के लिए लोगों को लगा कि फ़िरंगी राज ख़त्म हो चुका है और उनका राज आ गया है। जुलाई **1857** में शाह मल को युद्ध में मार दिया गया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Maulvi Ahmadullah Shah

Maulvi Ahmadullah Shah was one of the many maulvis who played an important part in the revolt of 1857. Educated in Hyderabad, he became a preacher when young. In 1856, he was seen moving from village to village preaching jehad (religious war) against the British and urging people to rebel.

❖ मौलवी अहमदुल्ला शाह

मौलवी अहमदुल्ला शाह **1857** के विद्रोह में अहम भूमिका निभाने वाले बहुत सारे मौलवियों मे से एक थे। हैदराबाद में शिक्षित शाह काफ़ी कम उम्र में ही उपदेशक बन गए थे। **1856** में उन्हें अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ जिहाद का प्रचार करते और लोगों को विद्रोह के लिए तैयार करते हुए गाँव–गाँव जाते देखा गया था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

He moved in a palanquin, with drumbeaters in front and followers at the rear. He was therefore popularly called Danka Shah – the maulvi with the drum (danka). British officials panicked as thousands began following the maulvi and many Muslims began seeing him as an inspired prophet.

वे एक पालकी में बैठकर चलते थे। पालकी के आगे-आगे ढोल और पीछे उनके समर्थक होते थे। इसीलिए उन्हें लोग-बाग डंका शाह कहने लगे थे। ब्रिटिश अफ़सर इस बात से परेशान थे कि मौलवी के साथ हज़ारों लोग जुट रहे थे और बहुत सारे मुसलमान उन्हें पैगम्बर मानने लगे थे और समझते थे कि वह इस्लाम के आदर्शों से ओतप्रोत हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

When he reached Lucknow in 1856, he was stopped by the police from preaching in the city. Subsequently, in 1857, he was jailed in Faizabad. When released, he was elected by the mutinous 22nd Native Infantry as their leader.

जब **1856** में वे लखनऊ पहुँचे तो पुलिस ने उन्हें शहर में उपदेश देने से रोक दिया। **1857** में उन्हें फ़ैज़ाबाद जेल में बंद कर दिया गया। रिहा होने पर उन्हें **22**वीं नेटिव इन्फेंट्री के विद्रोहियों ने अपना नेता चुन लिया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

He fought in the famous Battle of Chinhat in which the British forces under Henry Lawrence were defeated. He came to be known for his courage and power. Many people in fact believed that he was invincible, had magical powers, and could not be killed by the British. It was this belief that partly formed the basis of his authority.

उन्होंने चिनहाट के विख्यात संघर्ष में हिस्सा लिया जिसमें हेनरी लॉरेंस की अगुवाई वाली टुकडियों को मुँह की खानी पड़ी। मौलवी साहब को उनकी बहादुरी और ताकत के लिए जाना जाता था। बहुत सारे लोग मानते थे कि उनको कोई नहीं हरा सकता; उनके पास जादुई शक्तियां हैं और अंग्रेज़ उनका बाल भी बाँका नहीं कर सकते। काफ़ी हद तक इसी विश्वास के कारण उन्हें लोगों में इतना अधिकार प्राप्त था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

- Rumours and prophecies
- अफ़वाहें और भविष्यवाणियां

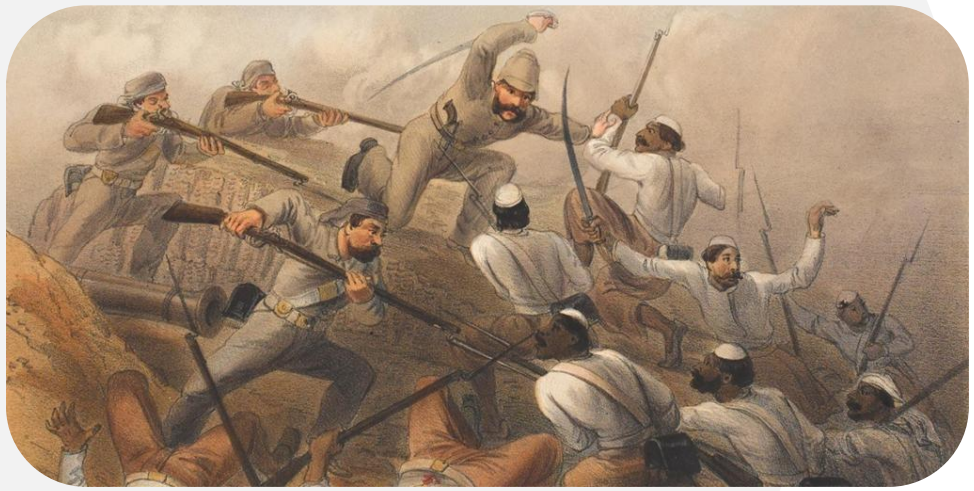

Rumours and prophecies played a part in moving people to action.

तरह-तरह की अफ़वाहों और भविष्यवाणियों के ज़रिए लोगों को उठ खड़ा होने के लिए उकसाया जा रहा था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The British tried to explain to the sepoys that this was not the case but the rumour that the new cartridges were greased with the fat of cows and pigs spread like wildfire across the sepoy lines of North India

सिपाहियों का इशारा एन्फ़ील्ड राइफ़ल के उन कारतूसों की तरफ़ था जो हाल ही में उन्हें दिए गए थे। अंग्रेज़ों ने सिपाहियों को लाख समझाया कि एसा नहीं है लेकिन यह अफ़वाह उत्तर भारत की छावनियों में जंगल की आग की तरह फैलती चली गई।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

हेनरी हार्डिंग, फ्रांसेस ग्रांट द्वारा बनाया चित्र, 1849

गवर्नर जनरल के तौर पर हार्डिंग ने सैनिक साज़ो-सामान के आधुनिकीकरण का प्रयास किया। उसने जिन एन्फ़ील्ड राइफ़लों का इस्तेमाल शुरू किया उनमें चिकने कारतूसों का इस्तेमाल होता था जिनके ख़िलाफ़ सिपाहियों ने विद्रोह किया था।

This is one rumour whose origin can be traced. Captain Wright, commandant of the Rifle Instruction Depot, reported that in the third week of January 1857 a "low-caste" khalasi who worked in the magazine in Dum Dum had asked a Brahmin sepoy for a drink of water from his lota.

इस अफ़वाह का स्रोत ढूँढा जा सकता है। राइफ़ल इंस्ट्रक्शन डिपो के कमांडेंट कैप्टेन राइट ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि दम दम स्थित शस्त्रागार में काम करने वाले "नीची जाति" के एक खलासी ने जनवरी **1857** के तीसरे हफ्ते में एक ब्राह्मण सिपाही से पानी पिलाने . के लिए कहा था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The sepoy had refused saying that the "lower caste's" touch would defile the lota. The khalasi had reportedly retorted, "You will soon lose your caste, as ere long you will have to bite cartridges covered with the fat of cows and pigs."

ब्राह्मण सिपाही ने यह कहकर अपने लोटे से पानी पिलाने से इनकार कर दिया कि "नीची जाति" के छूने से लोटा अपवित्र हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पर खलासी ने जवाब दिया कि "(वैसे भी) जल्दी ही तुम्हारी जाति भ्रष्ट होने वाली है क्योंकि अब तुम्हें गाय और सुअर की चर्बी लगे कारतूसों को मुँह से खींचना पड़ेगा।"

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

We do not know the veracity of the report, but once this rumour started no amount of assurances from British officers could stop its circulation and the fear it spread among the sepoys

इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता के बारे में कहना मुश्किल है लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जब एक बार यह अफ़वाह फैलना शुरू हुई तो अंग्रेज़ अफ़सरों के तमाम आश्वासनों के बावजूद इसे ख़त्म नहीं किया जा सका और इसने सिपाहियों में एक गहरा ग़ुस्सा पैदा कर दिया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

This was not the only rumour that was circulating in North India at the beginning of 1857. There was the rumour that the British government had hatched a gigantic conspiracy to destroy the caste and religion of Hindus and Muslims.

1857 की शुरुआत तक उत्तर भारत में यही एक अफ़वाह नहीं थी। यह अफ़वाह भी ज़ोरों पर थी कि अंग्रेज़ सरकार ने हिंदुओं और मुसलमानों की जाति और धर्म को नष्ट करने के लिए एक भयानक साज़िश रच ली है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

To this end, the rumours said, the British had mixed the bone dust of cows and pigs into the flour that was sold in the market.

अफ़वाह फैलाने वालों का कहना था कि इसी मकसद को हासिल करने के लिए अंग्रेज़ों ने बाज़ार में मिलने वाले आटे में गाय और सुअर की हड्डियों का चूरा मिलवा दिया है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

There was fear and suspicion that the British wanted to convert Indians to Christianity.

चारों तरफ़ इस आशय का भय और शक बना हुआ था कि अंग्रेज़ हिंदुस्तानियों को ईसाई बनाना चाहते हैं।

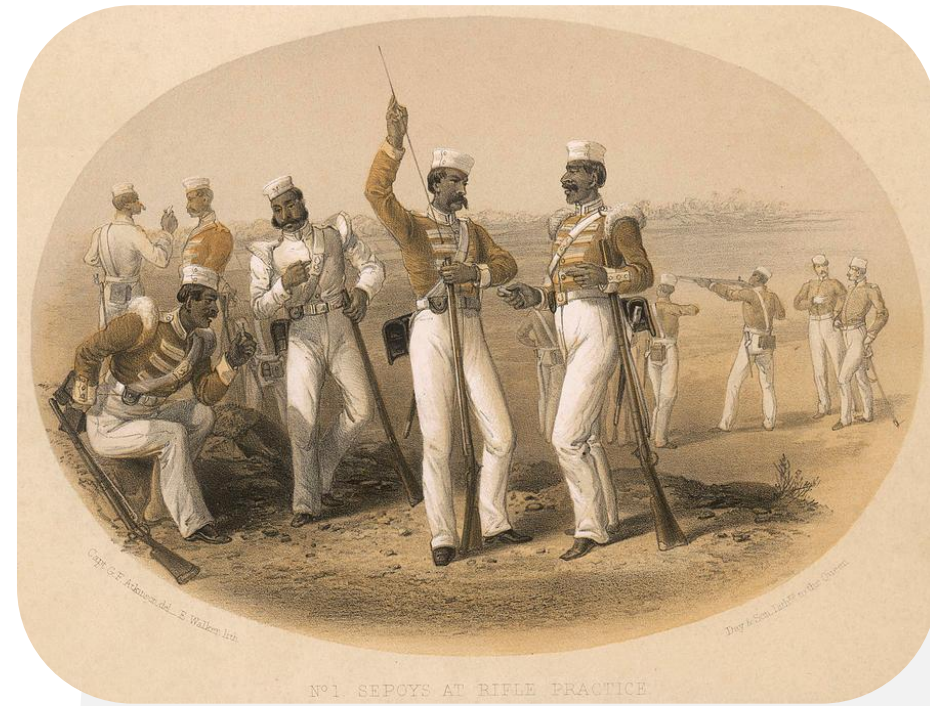

N°1. SEPOYS AT RIFLE PRACTICE

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ **Why did people believe in the rumours?**

❖ लोग अफ़वाहों में विश्वास क्यों कर रहे थे?

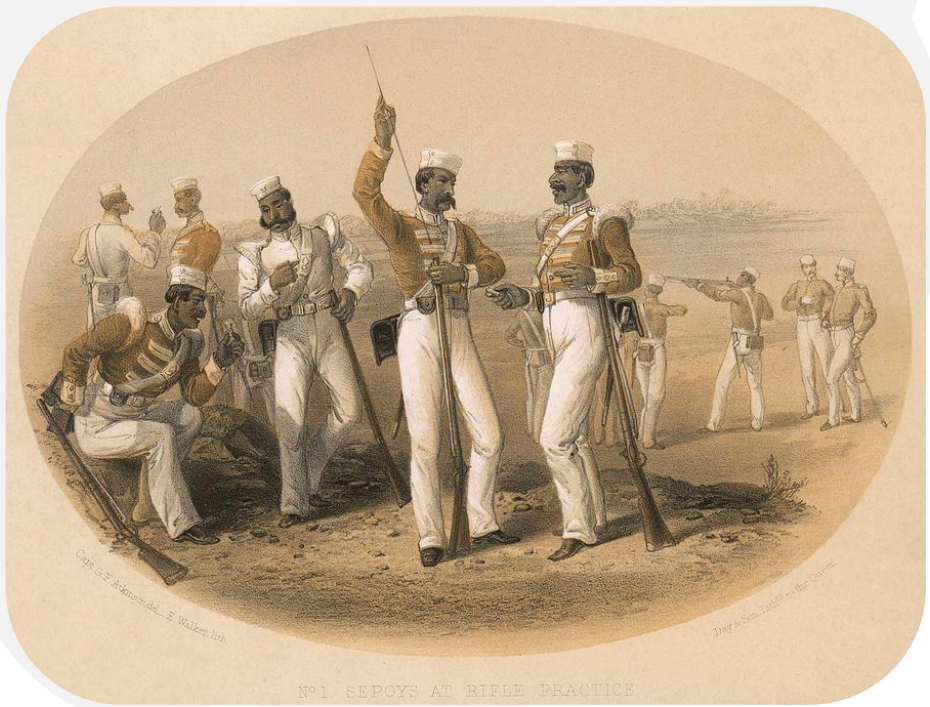

The rumours in 1857 begin to make sense when seen in the context of the policies the British pursued from the late 1820s.

अगर **1857** की इन अफ़वाहों को **1820** के दशक से अंग्रेज़ों द्वारा अपनाई जा रही नीतियों के संदर्भ में देखा जाए तो उनका मतलब ज़्यादा आसानी से समझा जा सकता है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Under the leadership of Governor General Lord William Bentinck, the British adopted policies aimed at "reforming" Indian society by introducing Western education, Western ideas and Western institutions.

गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बेंटिंक के नेतृत्व में उसी समय से ब्रिटिश सरकार पश्चिमी शिक्षा, पश्चिमी विचारों और पश्चिमी संस्थानों के ज़रिए भारतीय समाज को "सुधारने" के लिए खास तरह की नीतियां लागू कर रही थी।

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

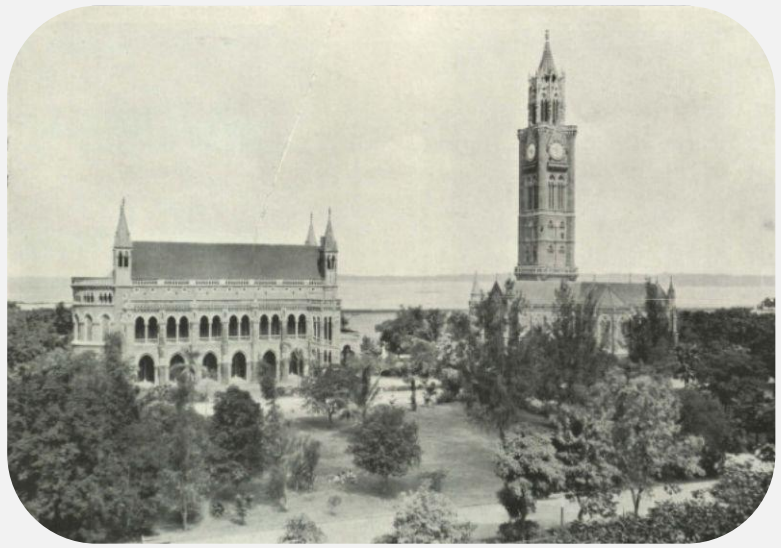

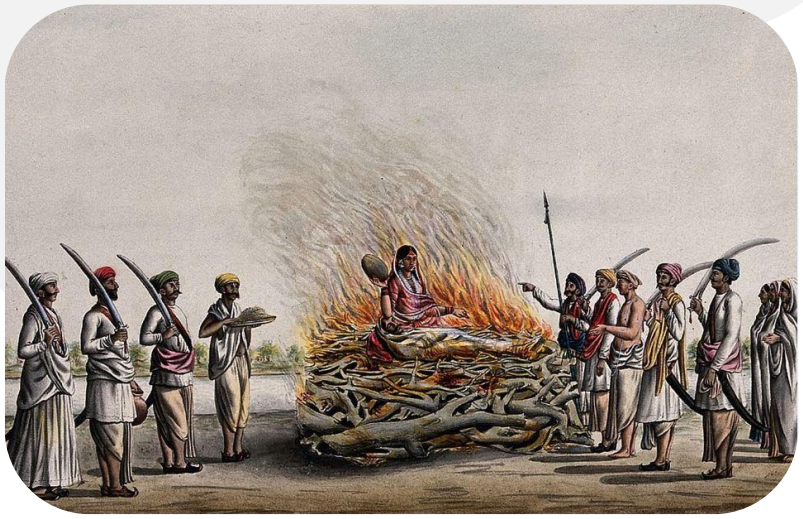

With the cooperation of sections of Indian society they set up English-medium schools, colleges and universities which taught Western sciences and the liberal arts. The British established laws to abolish customs like sati (1829) and to permit the remarriage of Hindu widows.

भारतीय समाज के कुछ तबकों की सहायता से उन्होंने अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्थापित किए थे जिनमें पश्चिमी विज्ञान और उदार कलाओं (**Liberal Arts**) के बारे में पढ़ाया जाता था। अंग्रेज़ों ने सती प्रथा को ख़त्म करने (1829) और हिंदू विधवा विवाह को वैधता देने के लिए क़ानून बनाए थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The British introduced their own system of administration, their own laws and their own methods of land settlement and land revenue collection. The cumulative impact of all this on the people of North India was profound.

अंग्रेज़ अपने ढंग की शासन व्यवस्था, अपने क़ानून, भूमि विवादों के निपटारे की अपनी पद्धति और भूराजस्व वसूली की अपनी व्यवस्था लागू कर देते थे। उत्तर भारत के लोगों पर इन सब कार्रवाइयों का गहरा असर हुआ।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Resident was the designation of a representative of the Governor General who lived in a state which was not under direct British rule.

रेज़ीडेंट गवर्नर जनरल के प्रतिनिधि को कहा जाता था। उसे एसे राज्य में तैनात किया जाता था जो अंग्रेज़ों के प्रत्यक्ष शासन के अंतर्गत नहीं था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Subsidiary Alliance (सहायक संधि)

- **Subsidiary Alliance was a system devised by Lord Wellesley in 1798. All those who entered into such an alliance with the British had to accept certain terms and conditions:**
- सहायक संधि लॉर्ड वेलेज़्ली द्वारा **1798** में तैयार की गई एक व्यवस्था थी। अंग्रेज़ों के साथ यह संधि करने वालों को कुछ शर्तें माननी पड़ती थीं। मसलन :

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

- **The British would be responsible for protecting their ally from external and internal threats to their power.**
- अंग्रेज़ अपने सहयोगी की बाहरी और आंतरिक चुनौतियों से रक्षा करेंगे;
- **In the territory of the ally, a British armed contingent would be stationed.**
- सहयोगी पक्ष के भूक्षेत्र में एक ब्रिटिश सैनिक टुकड़ी तैनात रहेगी;

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

- **The ally would have to provide the resources for maintaining this contingent.**
- सहयोगी पक्ष को इस टुकड़ी के रख-रखाव की व्यवस्था करनी होगी; तथा
- **The ally could enter into agreements with other rulers or engage in warfare only with the permission of the British.**
- सहयोगी पक्ष न तो किसी और शासक के साथ संधि कर सकेगा और न ही अंग्रेज़ों की अनुमति के बिना किसी युद्ध में हिस्सा लेगा।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Awadh in Revolt ("A cherry that will drop into our mouth one day")

❖ अवध में विद्रोह ("ये गिलास फल (Cherry) एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।")

In 1851 Governor General Lord Dalhousie described the kingdom of Awadh as "a cherry that will drop into our mouth one day". Five years later, in 1856, the kingdom was formally annexed to the British Empire

1851 में गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी ने अवध की रियासत के बारे में कहा था कि "य गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।" पाँच साल बाद, **1856** में इस रियासत को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित कर दिया गया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

By the terms of this alliance the Nawab had to disband his military force, allow the British to position their troops within the kingdom, and act in accordance with the advice of the British Resident who was now to be attached to the court.

इस संधि में शर्त थी कि नवाब अपनी सेना ख़त्म कर दे, रियासत में अंग्रेज़ टुकडियों की तैनाती की इजाज़त दे और दरबार में मौजूद ब्रिटिश रेज़ीडेंट की सलाह पर काम करे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

In the meantime the British became increasingly interested in acquiring the territory of Awadh. They felt that the soil there was good for producing indigo and cotton, and the region was ideally located to be developed into the principal market of Upper India.

अवध पर क़ब्ज़े में अंग्रेज़ों की दिलचस्पी बढ़ती जा रही थी। उन्हें लगता था कि वहां की ज़मीन नील और कपास की खेती के लिए मुफ़ीद है और इस इलाक़े को उत्तरी भारत के एक बड़े बाज़ार के रूप में विकसित किया जा सकता है।

- "The life was gone out of the body"
- "देह से जान जा चुकी थी।"

Lord Dalhousie's annexations created disaffection in all the areas and principalities that were annexed but nowhere more so than in the kingdom of Awadh in the heart of North India.

लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा किए गए इस अधिग्रहण से तमाम इलाक़ों और रियासतों में गहरा असंतोष था। लेकिन इतना गुस्सा कहीं नहीं था जैसा उत्तर भारत की शान कहे जाने वाले अवध की रियासत में था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

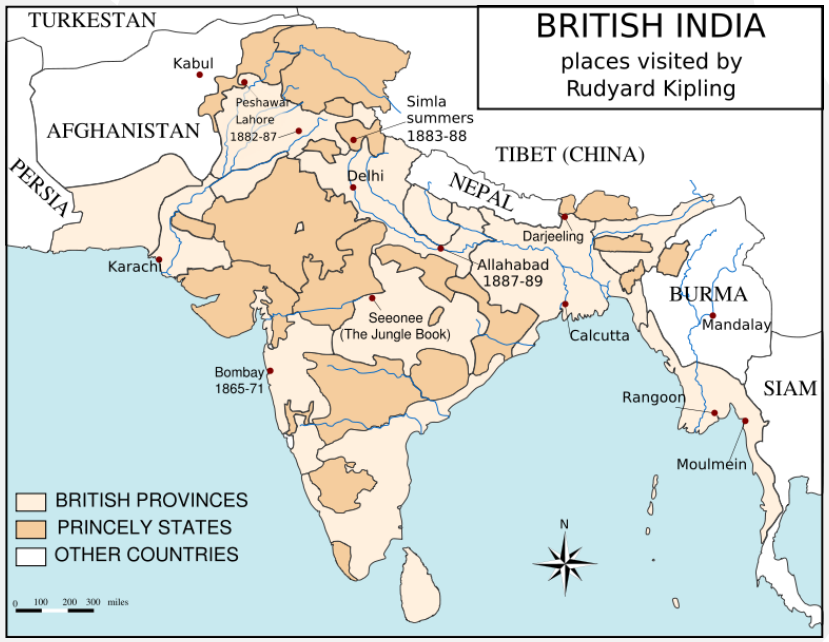

The widespread sense of grief and loss at the Nawab's exile was recorded by many contemporary observers.

वाब के निष्कासन से पैदा हुए दुख और अपमान के इस व्यापक अहसास को उस समय के बहुत सारे प्रेक्षकों ने दर्ज किया है।

One of them wrote: “The life was gone out of the body, and the body of this town had been left lifeless … there was no street or market and house which did not wail out the cry of agony in separation of Jan-i-Alam.” One folk song bemoaned that “the honourable English came and took the country” (Angrez Bahadur ain, mulk lai linho).

एक ने लिखा था : “देह से जान जा चुकी थी। शहर की काया बेजान थी...। कोई सड़क, कोई बाज़ार और घर एसा न था जहां से जान–ए–आलम से बिछड़ने पर विलाप का शोर न गूँज रहा हो।” एक लोक गीत में इस बात पर शोक व्यक्त किया गया कि “अंगरेज बहादुर आइन, मुल्क लई लीन्हों।”

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖The Nawab has left

Another song mourned the plight of the ruler who had to leave his motherland:

Noble and peasant all wept together

and all the world wept and wailed

Alas! The chief has bidden adieu to

his country and gone abroad.

❖ नवाब साहब जा चुके है

एक और गीत में एसे शासक की दुर्दशा पर विलाप किया जा रहा है जिसे मजबूरन अपनी मातृभूमि छोड़नी पड़ी :

अभिजात और किसान, सब रो रहे थे।

और सारा आलम रोता-चिल्लाता था।

हाय! जान-ए-आलम देस से विदा लेकर परदेस चले गए हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ **Firangi raj and the end of a world**

❖ फ़िरंगी राज का आना और एक दुनिया का ख़ात्मा

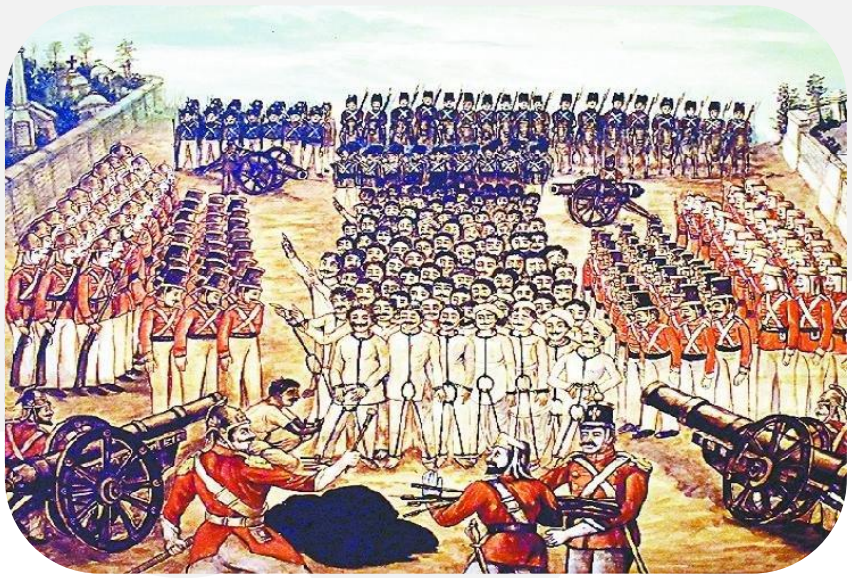

A chain of grievances in Awadh linked prince, taluqdar, peasant and sepoy. In different ways they came to identify firangi raj with the end of their world – the breakdown of things they valued, respected and held dear.

अवध में विभिन्न प्रकार की पीड़ाओं ने राजकुमारों, ताल्लुक़दारों, किसानों और सिपाहियों को एक-दूसरे से जोड दिया था। वे सभी फिरंगी राज के आगमन को विभिन्न अर्थों में एक दुनिया की समाप्ति के रूप में देखने लगे थे। वे चीज़ें बिखर रही थीं जो लोगों के लिए बहुमूल्य थीं, जिनको वे प्यार करते थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The annexation displaced not just the Nawab. It also dispossessed the taluqdars of the region. The countryside of Awadh was dotted with the estates and forts of taluqdars who for many generations had controlled land and power in the countryside.

अवध के अधिग्रहण से सिर्फ़ नवाब की ही गद्दी नहीं छिनी थी। इसने इलाके के ताल्लुक़दारों को भी लाचार कर दिया था। अवध के समूचे देहात में ताल्लुक़दारों की जागीरें और क़िले बिखरे हुए थे। य लोग पीढ़ियों से अपने इलाक़े में ज़मीन और सत्ता पर नियंत्रण रखते आए थे।

अवध का एक ज़मींदार, 1880

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Before the coming of the British, taluqdars maintained armed retainers, built forts, and enjoyed a degree of autonomy, as long as they accepted the suzerainty of the Nawab and paid the revenue of their taluqs.

अंग्रेज़ों के आने से पहले ताल्लुक़दारों के पास हथियारबंद सिपाही होते थे। उनके अपने क़िले थे। अगर वे नवाब की संप्रभुता को स्वीकार कर लें और अपने ताल्लुक़दार का राजस्व चुकाते रहें तो उनके पास काफ़ी स्वायत्तता भी होती थी।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

After annexation, the first British revenue settlement, known as the Summary Settlement of 1856, was based on the assumption that the taluqdars were interlopers with no permanent stakes in land: they had established their hold over land through force and fraud.

अधिग्रहण के बाद **1856** में एकमुश्त बंदोबस्त के नाम से ब्रिटिश भूराजस्व व्यवस्था लागू कर दी गई। यह बंदोबस्त इस मान्यता पर आधारित था कि ताल्लुक़दार बिचौलिए थे जिनके पास ज़मीन का मालिकाना नहीं था। उन्होंने बल और धोखाधड़ी के ज़रिए अपना प्रभुत्व स्थापित किया हुआ था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The taluqdars of southern Awadh were the hardest hit and some lost more than half of the total number of villages they had previously held.

दक्षिण अवध के ताल्लुक़दारों को सबसे बुरी मार पड़ी। कुछ के तो आधे से ज़्यादा गाँव हाथ से जाते रहे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

British land revenue officers believed that by removing taluqdars they would be able to settle the land with the actual owners of the soil and thus reduce the level of exploitation of peasants while increasing revenue returns for the state.

ब्रिटिश भूराजस्व अधिकारियों का मानना था कि ताल्लुक़दारों को हटाकर वे ज़मीन असली मालिकों के हाथ में सौंप देंगे जिससे किसानों के शोषण में कमी आएगी और राजस्व वसूली में इजाफ़ा होगा।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The dispossession of taluqdars meant the breakdown of an entire social order. The ties of loyalty and patronage that had bound the peasant to the taluqdar were disrupted.

ताल्लुक़दारों की सत्ता छिनने का नतीजा यह हुआ कि एक पूरी सामाजिक व्यवस्था भंग हो गई। निष्ठा और संरक्षण के जिन बंधनों से किसान ताल्लुक़दारों के साथ बँधे हुए थे वे अस्त-व्यस्त हो गए।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

There was no longer any guarantee that in times of hardship or crop failure the revenue demand of the state would be reduced or collection postponed; or that in times of festivities the peasant would get the loan and support that the taluqdar had earlier provided.

अब इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि कठिन वक्त में या फसल खराब हो जाने पर सरकार राजस्व माँग में कोई कमी करेगी या वसूली को कुछ समय के लिए टाल दिया जाएगा। ना ही किसानों को इस बात की उम्मीद थी कि तीज-त्यौहारों पर कोई क़र्जा और मदद मिल पाएगी जो पहले ताल्लुक़दारों से मिल जाती थी।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

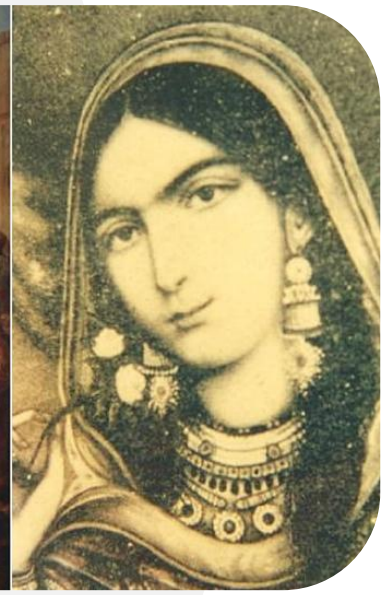

Many of these taluqdars were loyal to the Nawab of Awadh, and they joined Begum Hazrat Mahal (the wife of the Nawab) in Lucknow to fight the British; some even remained with her in defeat.

बहुत सारे ताल्लुक़दार अवध के नवाब के प्रति निष्ठा रखते थे इसलिए वे अंग्रेज़ों से लोहा लेने के लिए लखनऊ जाकर बेगम हज़रत महल (नवाब की पत्नी) के खेमे में शामिल हो गए। उनमें से कुछ तो बेगम की पराजय के बाद भी उनके साथ डटे रहे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The grievances of the peasants were carried over into the sepoy lines since a vast majority of the sepoys were recruited from the villages of Awadh.

किसानों का असंतोष अब फ़ौजी बैरकों में भी पहुँचने लगा था क्योंकि बहुत सारे किसान अवध के गाँवों से ही भर्ती किए गए थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The relationship of the sepoys with their superior white officers underwent a significant change in the years preceding the uprising of 1857.

1857 के जनविद्रोह से पहले के सालों में सिपाहियों के अपने गोरे अफ़सरों के साथ रिश्ते काफ़ी बदल चुके थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

They would take part in their leisure activities – they wrestled with them, fenced with them and went out hawking with them. Many of them were fluent in Hindustani and were familiar with the customs and culture of the country.

वे उनकी मौजमस्ती में शामिल होते थे, उनके साथ मल्ल-यद्ध करते थे, उनके साथ तलवारबाज़ी करते थे और उनके साथ शिकार पर जाते थे। उनमें से बहुत सारे तो बख़ूबी हिंदुस्तानी बोलना जानते थे और यहां के रीति-रिवाजों व संस्कृति से वाकिफ़ थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The officers developed a sense of superiority and started treating the sepoys as their racial inferiors, riding roughshod over their sensibilities. Abuse and physical violence became common and thus the distance between sepoys and officers grew

अफ़सरों में श्रेष्ठता का भाव पैदा होने लगा और वे सिपाहियों को कमतर नस्ल का मानने लगे। वे उनकी भावनाओं की ज़रा-सी भी फ़िक्र नहीं करते थे। गाली-गलौज और शारीरिक हिंसा सामान्य बात बन गई। सिपाहियों व अफ़सरों के बीच फ़ासला बढ़ता गया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

It is also important to remember that close links existed between the sepoys and the rural world of North India. The large majority of the sepoys of the Bengal Army were recruited from the villages of Awadh and eastern Uttar Pradesh.

यह भी याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि उत्तर भारत में सिपाहियों और ग्रामीण जगत के बीच गहरे संबंध थे। बंगाल आर्मी के सिपाहियों में से बहुत सारे अवध और पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाँवों से भर्ती होकर आए थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

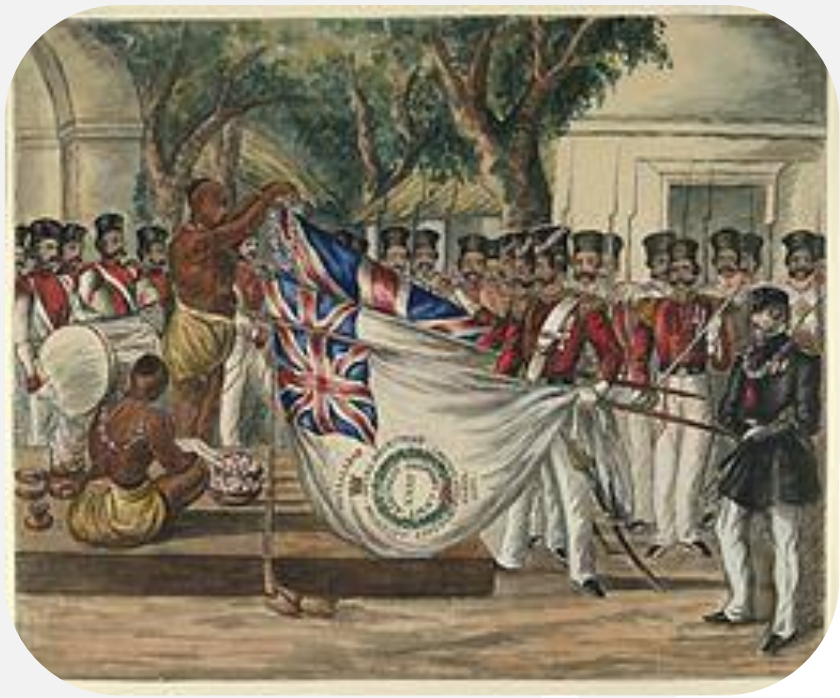

Many of them were Brahmins or from the "upper" castes. Awadh was, in fact, called the "nursery of the Bengal Army". The changes that the families of the sepoys saw around them and the threats they perceived were quickly transmitted to the sepoy lines.

उनमें से बहुत सारे ब्राह्मण या "ऊँची जाति" के थे। बल्कि अवध को तो "बंगाल आर्मी की पौधशाला" कहा जाता था। सिपाहियों के परिवार अपने इर्द-गिर्द जिन बदलावों को देख रहे थे और उन्हें जो ख़तरे दिखाई दे रहे थे वे जल्दी ही सिपाही लाइनों में भी दिखाई देने लगे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

विद्रोही और राज

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

In turn, the fears of the sepoys about the new cartridge, their grievances about leave, their grouse about the increasing misbehaviour and racial abuse on the part of their white officers were communicated back to the villages.

दूसरी ओर, कारतूसों के बारे में सिपाहियों का भय, छुट्टियों के बारे में उनकी शिकायतें, बढ़ते दुव्यंवहार और नस्ली गाली-गलौज के प्रति बढ़ता असंतोष गाँवों में भी प्रतिबिंबित होने लगा था।

यूरोपीय क़िस्म की वर्दी पहने बंगाल के सिपाही। यहाँ कलाकार सिपाहियों की वर्दी का मज़ाक उड़ा रहा है। इन तस्वीरों के ज़रिए शायद यह जताने का प्रयास किया जा रहा है कि पश्चिमी पोशाक पहन कर भी हिंदुस्तानी सुंदर नहीं दिख सकते।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ What the Rebels Wanted

❖ विद्रोही क्या चाहते थे?

the British recorded their own trials and tribulations as well as their heroism.

कठिनाइयों, चुनौतियों और बहादुरी के बारे में अंग्रेज़ों की अपनी राय थी।

The repression of the rebels also meant silencing of their voice.

विद्रोहियों को कुचलने का एक मतलब यह भी था कि उनकी आवाज़ को दबा दिया जाए।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

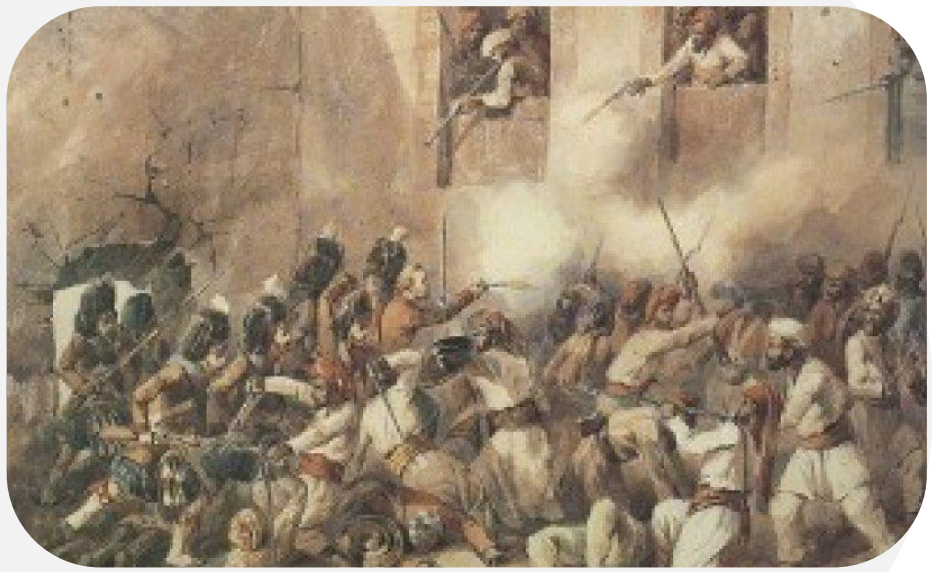

Few rebels had the opportunity of recording their version of events. Moreover, most of them were sepoys and ordinary people who were not literate.

कुछ विद्रोहियों को ही इस घटनाक्रम के बारे में अपनी बात दर्ज करने का मौका मिला। यूं भी विद्रोहियों में ज़्यादातर सिपाही और आम लोग थे जो पढ़-लिखे नहीं थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Other than a few proclamations and ishtahars (notifications) issued by rebel leaders to propagate their ideas and persuade people to join the revolt, we do not have much that throws light on the perspective of the rebels.

अपने विचारों का प्रसार करने और लोगों को विद्रोह में शामिल करने के लिए जारी की गई कुछ घोषणाओं व इश्तहारों के सिवाय हमारे पास एसी ज़्यादा चीज़ें नहीं हैं जिनकी बिना पर हम विद्रोहियों के नज़रिए को समझ सकें।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

While these sources reveal the minds of officials, they tell us very little about what the rebels wanted.

विडंबना यह है कि इन स्रोतों से अंग्रेज़ अफ़सरों की सोच का तो पता चलता है लेकिन इस बारे में ज़्यादा सुराग़ नहीं मिल पाता कि विद्रोही क्या चाहते थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

- The vision of unity
- एकता की कल्पना

The rebellion was seen as a war in which both Hindus and Muslims had equally to lose or gain.

इस विद्रोह को एक ऐसे यद्ध के रूप में पेश किया जा रहा था जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों, दोनों का नफ़ा-नुकसान बराबर था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The proclamation that was issued under the name of Bahadur Shah appealed to the people to join the fight under the standards of both Muhammad and Mahavir. It was remarkable that during the uprising religious divisions between Hindus and Muslim were hardly noticeable despite British attempts to create such divisions.

बहादुर शाह के नाम से जारी की गई घोषणा में मुहम्मद और महावीर, दोनों की दुहाई देते हुए जनता से इस लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया गया। दिलचस्प बात यह है कि आंदोलन में हिंदू और मुसलमानों के बीच खाई पैदा करने की अंग्रेज़ों द्वारा की गई कोशिशों के बावजूद एसा कोई फ़र्क़ नहीं दिखाई दिया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖The Azamgarh Proclamation, 25 August 1857

This is one of the main sources of our knowledge about what the rebels wanted:

It is well known to all, that in this age the people of Hindostan, both Hindoos and Mohammedans, are being ruined under the tyranny and the oppression of the infidel and treacherous English.

❖आज़मगढ़ घोषणा, 25 अगस्त 1857

विद्रोही क्या चाहते थे, इसके बारे में हमारी जानकारी का यह एक मुख्य स्रोत है :

यह सर्वविदित है कि इस यग में हिंदुस्तान के लोग, हिंदू और मुस्लिम, दोनों ही अधर्मी और षड्यंत्रकारी अंग्रेज़ों की निरकुंशता व उत्पीड़न से त्रस्त हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

It is therefore the bounden duty of all the wealthy people of India, especially those who have any sort of connection with the Mohammedan royal families, and are considered the pastors and masters of their people, to stake their lives and property for the well-being of the public. ...

इसलिए देश के सभी धनवान लोगों को, खासतौर से जिनका मुस्लिम शाही परिवारों से ताल्लुक़ रहा है, और जिन्हें लोगों का धर्मरक्षक और स्वामी माना जाता है, अपने जीवन और संपत्ति को जनता की कुशलक्षेम के लिए होम कर देना चाहिए...।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Several of the Hindoo and Mussalman Chiefs, who have long since quitted their homes for the preservation of their religion, and have been trying their best to root out the English in India, have presented themselves to me, and taken part in the reigning Indian crusade, and it is more than probable that I shall very shortly receive succours from the West.

अपने धर्म की रक्षा के लिए अरसा पहले अपने घर-बार छोड चुके और भारत से अंग्रेज़ों को उखाड फेंकने के लिए पूरा ज़ोर लगा रहे बहुत सारे हिंदू और मुसलमान मुखिया मेरे पास आए और उन्होंने इस भारतीय धर्म यद्ध में हिस्सा लिया। मुझे पूरी उम्मीद है कि जल्दी ही मुझे पश्चिम से भी मदद मिलेगी।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Therefore for the information of the public, the present Ishtahar, consisting of several sections, is put in circulation and it is the imperative duty of all to take into their careful consideration, and abide by it. Parties anxious to participate in the common cause, but having no means to provide for themselves, shall receive their daily subsistence from me;

इसलिए जनता की जानकारी के लिए कई भागों का यह इश्तहार जारी किया जा रहा है। यह सबका दायित्व है कि इसको ग़ौर से पा उद्देश्य में जो लोग अपना योगदान देना चाहते हैं, लेकिन जिनके पास अपनी सेवाएँ देने के साधन नहीं हैं, उन्हें मेरी तरफ़ से दैनिक भोजन दिया जाएगा;

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

and be it known to all, that the ancient works, both of the Hindoos and Mohammedans, the writings of miracle workers, and the calculation of the astrologers, pundits, ... all agree in asserting that the English will no longer have any footing in India or elsewhere.

और सबको मालूम हो कि हिंदू और मुस्लिम, दोनों तरह के प्राचीन ग्रंथों में, चमत्कार करने वालों के लेखन और भविष्यवक्ताओं में, पंडितों की गणनाओं में... सबमें यह सहमति दिखायो देती कि अब भारत में या कहीं भी अंग्रेज़ों के पैर टिक नहीं पाएँगे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Therefore it is incumbent on all to give up the hope of the continuation of the British sway, side with me, and deserve the consideration of the Badshahi, or imperial government, by their individual exertion in promoting the common good, and thus attain their respective ends; otherwise if this golden opportunity slips away, they will have to repent for their folly, ...

इसलिए यह सबका फ़र्ज़ है कि वे अंग्रेज़ों का वर्चस्व बने रहने की सारी उम्मीद छोड दें, मेरा साथ दें और साझे हित में काम करते हुए अपने व्यक्तिगत परिश्रम से बादशाही सम्मान के हकदार बनें और अपने-अपने लक्ष्य प्राप्त करें। अन्यथा, अगर यह स्वर्णिम अवसर हमारे हाथ से चला गया तो हमें अपनी इस मूर्खता पर पश्चाताप करना पड़ेगा...।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Section I – Regarding Zemindars. It is evident, that the British Government in making zemindary settlements have imposed exorbitant Jumas (revenue demand) and have disgraced and ruined several zemindars, by putting up their estates for public auction for arrears of rent, in so much, in the institution of a suit by a common Ryot, a maid servant, or a slave, the respectable zemindars are summoned into court, arrested, put in goal and disgraced. I

भाग–1 – ज़मींदारों के बारे में : ज़ाहिर है कि ज़मींदारी बंदोबस्त तय करने में अंग्रेज़ी सरकार ने बेहिसाब जमा (भूराजस्व) थोप दिया है और कई ज़मींदारों को बेइज़्ज़त व बरबाद किया है। बकाया लगान की वजह से उनकी जागीरें नीलाम कर दी गई हैं। हद तो य है कि एक आम रैयत, किसी ज़नाना नौकर या किसी ग़ुलाम की ओर से दाखिल किए गए मुकदमे पर भी बाइज़्ज़त ज़मींदारों को अदालत में घसीटा जा रहा है, गिरफ्तार किया जा रहा है, कैदखाने में डाला जा रहा है और बेइज़्ज़त किया जा रहा है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

In litigation regarding zemindaries, the immense value of stamps, and other unnecessary expenses of the civil courts, ... are all calculated to impoverish the litigants. Besides this, the coffers of the zemindars are annually taxed with the subscription for schools, hospitals, roads, etc. Such extortions will have no manner of existence in the Badshahi Government; but on the contrary the Jumas will be light, the dignity and honour of the zemindars safe, and every zemindar will have absolute rule in his own zemindary ...

ज़मींदारियों के बारे में दायर किए गए मुक़दमों में भारी ख़र्चे की स्टाम्प और दीवानी अदालतों के गैर-ज़रूरी ख़र्चों का मकसद प्रतिवादियों को दरिद्र करना रहा है। ज़मींदारों के ख़ज़ाने को स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों आदि के लिए चन्दे के नाम पर हर साल खाली किया जा रहा है। इस तरह की वसूलियों के लिए बादशाही सरकार में कोई जगह नहीं होगी : जमा हलका रहेगा, ज़मींदारों के हितों की रक्षा की जाएगी और हर ज़मींदार को अपनी ज़मींदारी में अपने ढंग से शासन करने का अधिकार होगा...

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Section II – Regarding Merchants. It is plain that the infidel and treacherous British Government have monopolised the trade of all the fine and valuable merchandise, such as indigo, cloth, and other articles of shipping, leaving only the trade of trifles to the people, ... Besides this, the profits of the traders are taxed, with postages, tolls and subscriptions for schools, etc.

भाग 2 – व्यापारियों के बारें में : इस अधर्मी और षड्यंत्रकारी ब्रिटिश सरकार ने नील, कपड़े, जहाज व्यवसाय जैसी तमाम बेहतरीन और बहुमूल्य चीज़ों के व्यापार पर एकाधिकार स्थापित कर लिया है। अब छोटी-मोटी चीज़ों का व्यापार ही लोगों के लिए रह गया है...। डाक खर्चे, नाका वसूली और स्कूलों के लिए चन्दे के नाम पर व्यापारियों के मुनाफ़े में से सेंध मारी जा रही है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Notwithstanding all these concessions, the merchants are liable to imprisonment and disgrace at the instance or complaint of a worthless man. When the Badshahi Government is established all these aforesaid fraudulent practices shall be dispensed with, and the trade of every article, without exception, both by land and water will be opened to the native merchants of India, ... It is therefore the duty of every merchant to take part in the war, and aid the Badshahi Government with his men and money, ...

इन तमाम रियायतों के बावजूद व्यापारियों को दो कौड़ी के आदमी की शिकायत पर गिरफ़्तार किया जा सकता है, बेइज़्ज़त किया जा सकता है। जब बादशाही सरकार बनेगी तो इन सारे फ़रेबी तौर-तरीकों को ख़त्म कर दिया जाएगा और ज़मीन व पानी, दोनों रास्तों से होने वाला हर चीज़ का व्यापार भारत के देसी व्यापारियों के लिए खोल दिया जाएगा...। इसलिए यह हर व्यापारी की जिम्मेदारी है कि वह इस जंग में हिस्सा ले और बादशाही सरकार की हर इनसानी और माली मदद करे...।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Section III – Regarding Public Servants. It is not a secret thing, that under the British Government, natives employed in the civil and military services have little respect, low pay, and no manner of influence; and all the posts of dignity and emolument in both the departments are exclusively bestowed on Englishmen, ...

भाग **3** – सरकारी कर्मचारियों के बारे में : अब यह राज़ की बात नहीं है कि अंग्रेज़ सरकार के तहत प्रशासनिक और सैनिक सेवाओं में भर्ती होने वाले भारतीय लोगों को इज़्ज़त नहीं मिलती, उनकी तनख़्वाह कम होती है और उनके पास कोई ताकत नहीं होती। दोनों महकमों में प्रतिष्ठा और पैसे वाले सारे पद सिर्फ़ अंग्रेज़ों को मिलते हैं. ..।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Therefore, all the natives in the British service ought to be alive to their religion and interest, and abjuring their loyalty to the English, side with the Badshahi Government, and obtain salaries of 200 and 300 rupees a month for the present, and be entitled to high posts in the future. ...

इसलिए ब्रिटिश सेवा में काम करने वाले तमाम भारतीयों को अपने मज़हब और हित पर ध्यान देना चाहिए और अंग्रेज़ों के प्रति अपनी वफ़ादारी छोड़कर बादशाही सरकार का साथ देना चाहिए। उन्हें फ़िलहाल **200** और **300** रुपय प्रतिमाह की तनख़्वाह मिलेगी और भविष्य में ऊँचे ओहदों की उम्मीद रखें...।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Section IV – Regarding Artisans. It is evident that the Europeans, by the introduction of English articles into India, have thrown the weavers, the cotton dressers, the carpenters, the blacksmiths, and the shoemakers, etc., out of employ, and have engrossed their occupations, so that every description of native artisan has been reduced to beggary.

भाग **4** – कारीगरों के बारे में : इसमें कोई शक नहीं कि इंग्लैंड में बनी चीज़ों को ला-लाकर यूरोपियों ने हमारे बुनकरों, सूती वस्त्र बनाने वालों, बढ़इयों, लोहारों और मोचियों आदि को बेरोज़गार कर दिया है, उनके काम-धंधों पर इस तरह क़ब्ज़ा जमा लिया है कि देसी कारीगरों की हर श्रेणी भिखमंगों की हालत में पहुँच गई है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

But under the Badshahi Government the native artisans will exclusively be employed in the service of the kings, the rajahs, and the rich; and this will no doubt ensure their prosperity. Therefore these artisans ought to renounce the English services, ...

बादशाही सरकार में देसी कारीगरों को राजाओं और अमीरों की सेवा में तैनात किया जाएगा। इससे निःसंदेह उनकी उन्नति होगी। इसलिए इन करीगरों को अंग्रेज़ों की सेवा छोड देनी चाहिए।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Section V – Regarding Pundits, Fakirs and Other Learned Persons. The pundits and fakirs being the guardians of the Hindoo and Mohammadan religions respectively, and the Europeans being the enemies of both the religions, and as at present a war is raging against the English on account of religion, the pundits and fakirs are bound to present themselves to me, and take their share in the holy war... .

भाग **5** – पंडितों, फ़कीरों और अन्य ज्ञानी व्यक्तियों के बारे में : पंडित और फ़कीर क्रमशः हिंदू और मुस्लिम धर्मों के अभिभावक हैं। य्रोपीय दोनो धर्मों के शत्रु हैं और क्योंकि फिलहाल धर्म के कारण ही अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ एक य़ुद्ध छिड़ा हुआ है इसलिए पंडितों और फ़कीरों का फ़र्ज़ है कि वे ख़ुद को मेरे सामने पेश करें और इस पवित्र य़ुद्ध में अपना हिस्सा निभाएँ...।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ What the sepoys thought

This is one of the arzis (petition or application) of rebel sepoys that have survived: A century ago the British arrived in Hindostan and gradually entertained troops in their service, and became masters of every state. Our forefathers have always served them, and we also entered their service ...

❖ सिपाही क्या सोचते थे

विद्रोही सिपाहियों की एक अर्ज़ी जो बच गई : एक सदी पहले अंग्रेज़ हिंदुस्तान आए और धीरे-धीरे यहां फौजी टुकडियाँ बनाने लगे। इसके बाद वे हर राज्य के मालिक बन बैठे। हमारे पुरखों ने सदा उनकी सेवा की है और हम भी उनकी नौकरी में आए...।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

By the mercy of God and with our assistance the British also conquered every place they liked, in which thousands of us, Hindostani men were sacrificed, but we never made any excuses or pretences nor revolted ...

ईश्वर की कृपा से और हमारी सहायता से अंग्रेज़ों ने जो चाहा वो इलाका जीत लिया। उनके लिए हमारे जैसे हज़ारों हिंदुस्तानी जवानों को अपनी कुर्बानी देनी पड़ी लेकिन न हमने कभी पैर पीछे खींचें और न कोई बहाना बनाया और न ही कभी बग़ावत के रास्ते पर चले...।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

But in the year eighteen fifty seven the British issued an order that new cartridges and muskets which had arrived from England were to be issued; in the former of which the fats of cows and pigs were mixed; and also that attah of wheat mixed with powdered bones was to be eaten; and even distributed them in every Regiment of infantry, cavalry and artillery ...

लेकिन सन् **1857** में अंग्रेज़ों ने य हुक्म जारी कर दिया कि अब सिपाहियों को इंग्लैंड से नए कारतूस और बंदूकें दी जाएँगी। नए कारतूसों में गाय और सुअर की चर्बी मिली हुई है और गेहूं के आटे में हड्डियों का चूरा मिलाकर खिलाया जा रहा है। य चीज़ें पैदल-सेना, घुड़सवारों और गोलअंदाज़ फौज की हर रेजीमेंट में पहुँचा दी गई हैं...।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

They gave these cartridges to the sowars (mounted soldiers) of the 3rd Light Cavalry, and ordered them to bite them; the troopers objected to it, and said that they would never bite them, for if they did, their religion and faith would be destroyed ... upon this the British officers paraded the men of the 3 Regiments

उन्होने य कारतूस थर्ड लाइट केवेलरी के सवारों (घुड़सवार सैनिक) को दिए और उन्हें दाँतो से खींचने के लिए कहा। सिपाहियों ने इस हुक्म का विरोध किया और कहा कि वे एसा कभी नहीं करेंगे क्योंकि अगर उन्होंने एसा किया तो उनका धर्म भ्रष्ट हो जाएगा...। इस पर अंग्रेज़ अफ़सरों ने तीन रेजीमेंटों के जवानों की परेड करवा दी।

and having prepared 1,400 English soldiers, and other Battalions of European troops and Horse Artillery, surrounded them, and placing six guns before each of the infantry regiments, loaded the guns with grape and made 84 new troopers prisoners, and put them in jail with irons on them ... The reason that the sowars of the Cantonment were put into jail was that we should be frightened into biting the new cartridges.

1400 अंग्रेज़ सिपाही, य्रोपीय सैनिकों की दूसरी बटालियनें, और घुड़सवार गोलअंदाज़ फ़ौज को तैयार कर भारतीय सैनिकों को घेर लिया गया। हर पैदल रेजीमेंट के सामने छर्रों से भरी छह-छह तोपें तैनात कर दी गइं और **84** नए सिपाहियों को गिरफ्तार करके, बेडियाँ डालकर, जेल में बंद कर दिया गया। छावनी के सवारों को इसलिए जेल में डाला गया ताकि हम डर कर नए कारतूसों को दाँतों से खींचने लगें।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

On this account we and all our country-men having united together, have fought the British for the preservation of our faith ... we have been compelled to make war for two years and the Rajahs and Chiefs who are with us in faith and religion, are still so, and have undergone all sorts of trouble; we have fought for two years in order that our faith and religion may not be polluted. If the religion of a Hindoo or Mussalman is lost, what remains in the world?

इसी कारण हम और हमारे सारे सहोदर इकट्ठा होकर अपनी आस्था की रक्षा के लिए अंग्रेज़ों से लड़े...। हमें दो साल तक यद्ध जारी रखने पर मजबूर किया गया। धर्म व आस्था के सवाल पर हमारे साथ खड़े राजा और मुखिया अभी भी हमारे साथ हैं और उन्होंने भी सारी मुसीबतें झली हैं। हम दो साल तक इसलिए लड़े ताकि हमारा अक़ायद (आस्था) और मज़हब दूषित न हों। अगर एक हिंदू या मुसलमान का धर्म ही नष्ट हो गया तो दुनिया में बचेगा क्या?

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Against the symbols of oppression

❖ उत्पीड़न के प्रतीकों के ख़िलाफ़

The proclamations completely rejected everything associated with British rule or firangi raj as they called it. They condemned the British for the annexations they had carried out and the treaties they had broken.

इन घोषणाओं में ब्रिटिश राज (जिसे विद्रोही फ़िरंगी राज कहते थे) से संबंधित हर चीज़ को पूरी तरह खारिज किया जा रहा था। देशी रियासतों पर क़ब्ज़े और समझौतों का उल्लंघन करने के लिए अंग्रेज़ों की निंदा की जाती थी।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Every aspect of British rule was attacked and the firangi accused of destroying a way of life that was familiar and cherished. The rebels wanted to restore that world.

ब्रिटिश शासन के हर पहलू पर निशाना साधा जाता था। फ़िरंगियों पर स्थापित और सुंदर जीवन–शैली को नष्ट करने का आरोप लगाया जाता था। विद्रोही अपनी उस दुनिया को दोबारा बहाल करना चाहते थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The proclamations expressed the widespread fear that the British were bent on destroying the caste and religions of Hindus and Muslims and converting them to Christianity – a fear that led people to believe many of the rumours that circulated at the time.

विद्रोही उद्घोषणाएँ इस व्यापक डर को व्यक्त करती थीं कि अंग्रेज़, हिंदुओं और मुसलमानों की जाति और धर्म को नष्ट करने पर तुले हैं और वे लोगों को ईसाई बनाना चाहते हैं। इसी डर की वजह से लोग चल रही अफ़वाहों पर भरोसा करने लगे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Often the rebels deliberately sought to humiliate the elites of a city. In the villages they burnt account books and ransacked moneylenders' houses. This reflected an attempt to overturn traditional hierarchies, rebel against all oppressors.

कई दफ़ा विद्रोही शहर के संभ्रांत को जान-बूझकर बेइज़्ज़त करते थे। गाँवों में उन्होंने सूदखोरों के बहीखाते जला दिए और उनके घर तोड-फोड डाले। इससे पता चलता है कि विद्रोही तमाम उत्पीड़कों के ख़िलाफ़ थे और परंपरागत सोपानों (ऊँच-नीच) को ख़त्म करना चाहते थे।

Such visions were not articulated in the proclamations which sought to unify all social groups in the fight against firangi raj.

यह सोच उनकी घोषणाओं में नहीं दिखाई देती। उनमें तो फ़िरंगी राज के ख़िलाफ़ तमाम सामाजिक समूहों को एकजुट करने का ही आह्वान किया जाता था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ The search for alternative power

❖ वैकल्पिक सत्ता की तलाश

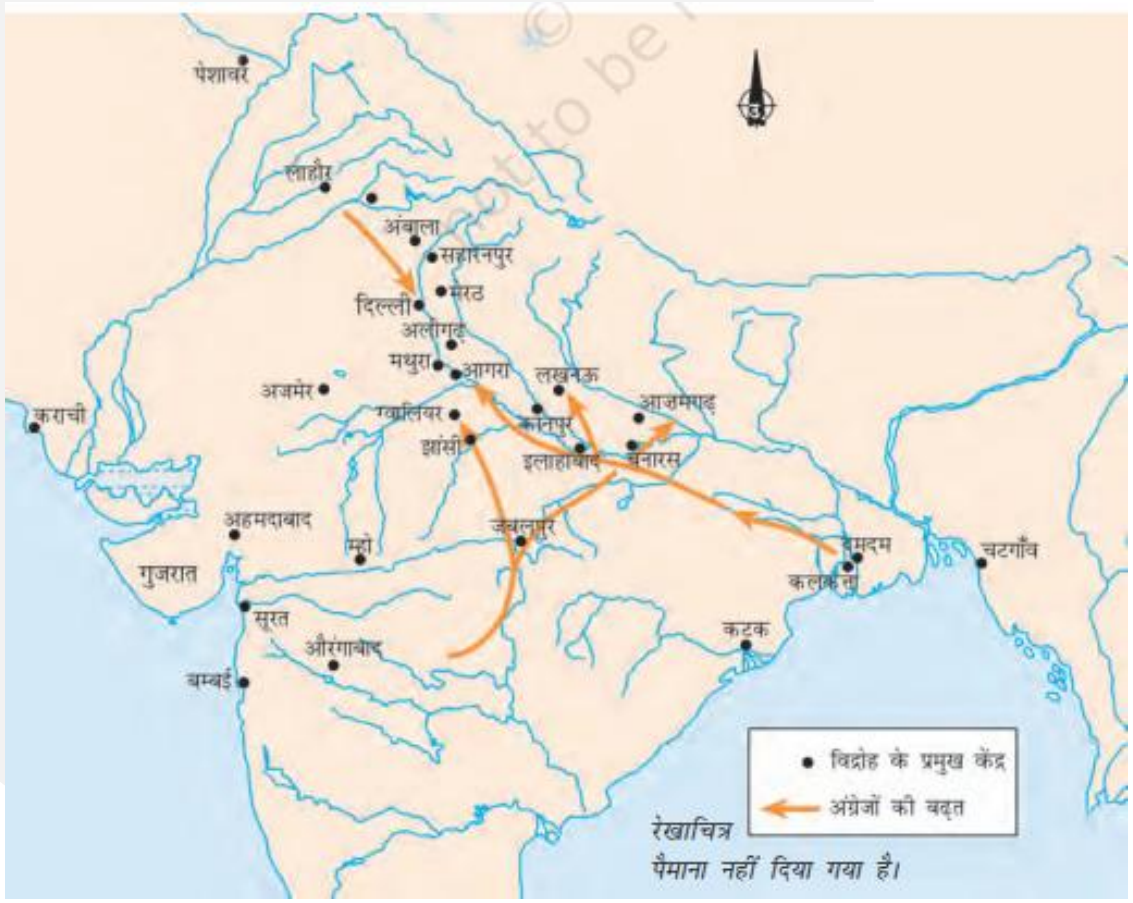

यहाँ विद्रोह के महत्त्वपूर्ण केंद्र दिखाए गए हैं। विद्रोहियों पर ब्रिटिश हमलों के मार्गों को भी दर्शाया गया है।

Once British rule had collapsed, the rebels in places like Delhi, Lucknow and Kanpur tried to establish some kind of structure of authority and administration.

ब्रिटिश शासन ध्वस्त हो जाने के बाद दिल्ली, लखनऊ और कानपुर जैसे स्थानों पर विद्रोहियों ने एक प्रकार की सत्ता और शासन संरचना स्थापित करने का प्रयास किया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The leaders went back to the culture of the court. Appointments were made to various posts, arrangements made for the collection of land revenue and the payment of troops, orders issued to stop loot and plunder.

इन नेताओं ने पुरानी दरबारी संस्कृति का सहारा लिया। विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गइं। भूराजस्व वसूली और सैनिकों के वेतन के भुगतान का इंतज़ाम किया गया। लूटपाट बंद करने के लिए हुक्मनामे जारी किए गए।

In all this the rebels harked back to the eighteenth-century Mughal world – a world that became a symbol of all that had been lost.

इन सारे प्रयासों में विद्रोही अठारहवीं सदी के मुग़ल जगत से ही प्रेरणा ले रहे थे – यह जगत उन तमाम चीज़ों का प्रतीक बन गया जो उनसे छिन चुकी थीं।

The administrative structures established by the rebels were primarily aimed at meeting the demands of war.

विद्रोहियों द्वारा स्थापित शासन संरचना का प्राथमिक उद्देश्य युद्ध की ज़रूरतों को पूरा करना था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

- Repression
- दमन

It is clear from all accounts that we have of 1857 that the British did not have an easy time in putting down the rebellion.

1857 के बारे में हमारे पास जो भी विवरण मौजूद हैं उनसे यह साफ़ हो जाता है कि इस विद्रोह को कुचलना अंग्रेज़ों के लिए बहुत आसान साबित नहीं हुआ।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

In other words, the ordinary processes of law and trial were suspended and it was put out that rebellion would have only one punishment – death.

कहने का मतलब यह है कि क़ानून और मुकदमें की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गई थी और यह स्पष्ट कर दिया गया था कि विद्रोह की केवल एक ही सज़ा हो सकती है – सज़ा-ए-मौत।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The British began the task of suppressing the revolt.

अंग्रेज़ सरकार ने विद्रोह को कुचलने का काम शुरू कर दिया।

The British thus mounted a two-pronged attack. One force moved from Calcutta into North India and the other from the Punjab – which was largely peaceful – to reconquer Delhi.

उन्होंने दोतरफ़ा हमला बोल दिया। एक तरफ़ कलकत्ते से, दूसरी तरफ़ पंजाब से दिल्ली की तरफ़ कूच हुआ हालांकि पंजाब कमोबेश शांत था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

चित्र 11.8
दिल्ली रिज पर स्थित एक मस्ज़िद, फ़ेलिस बिएतो द्वारा लिया गया चित्र, 1857–58.
1857 के बाद ब्रिटिश फ़ोटोग्राफ़रों ने तबाही और ध्वंस की असंख्य तसवीरें उतारी थीं।

British attempts to recover Delhi began in earnest in early June 1857 but it was only in late September that the city was finally captured.

दिल्ली को क़ब्ज़े में लेने की अंग्रेज़ों की कोशिश जून 1857 में बड़े पैमाने पर शुरू हुई लेकिन यह मुहिम सितंबर के आखिर में जाकर पूरी हो पाई।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

In the Ganegtic plain too the progress of British reconquest was slow. The forces had to reconquer the area village by village. The countryside and the people around were entirely hostile.

गंगा के मैदान में भी अंग्रेज़ों की बढ़त का सिलसिला धीमा रहा। अंग्रेज़ टुकडियों को हर इलाक़ा गाँव-दर-गाँव जीतना था। आम देहाती जनता और आस-पास के लोग उनके ख़िलाफ़ थे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The British used military power on a gigantic scale.

अंग्रेज़ों ने सैनिक ताकत का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Rebel landholders were dispossessed and the loyal rewarded. Many landholders died fighting the British or they escaped into Nepal where they died of illness or starvation.

विद्रोह का रास्ता अपनाने वाले ज़मींदारों को ज़मीन से बेदख़ल कर दिया गया और जो वफ़ादार थे उन्हें ईनाम दिए गए। बहुत सारे ज़मींदार या तो अंग्रेज़ों से लड़ते-लड़ते मारे गए या भागकर नेपाल चले गए जहां उन्होंने बीमारी व भूख से दम तोड दिया।

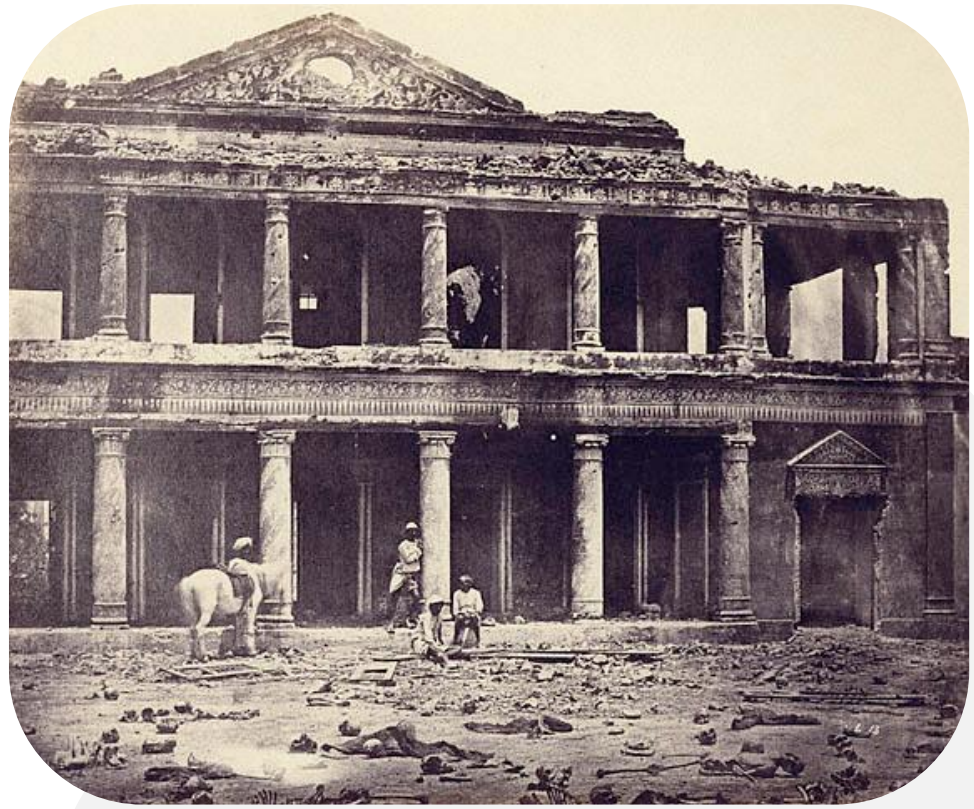

सिंकदरा बाग, चित्रकार फ़ेलिस बिएतो, 1858

यहाँ हमें एक ज़माने में नवाब वाजिद अली शाह द्वारा बनवाए गए रंग बाग (प्लेज़र गार्डन) के खंडहरों में चार आदमी दिखायी दे रहे हैं। 1857 में इसकी रक्षा करने वाले 2000 से ज़्यादा विद्रोही सिपाहियों को कैम्पबेल के नेतृत्व में ब्रिटिश सैनिकों ने मार डाला था। अहाते में पड़े नरकंकाल विद्रोह की निरर्थकता की एक ठंडी चेतावनी देते हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Villagers as rebels

An officer reporting from rural Awadh (spelt as Oude in the following account) noted:

The Oude people are gradually pressing down on the line of communication from the North ... the Oude people are villagers ...

❖विद्रोही ग्रामीण

ग्रामीण अवध क्षेत्र से रिपोर्ट भेजने वाले एक अफ़सर ने लिखा :

अवध के लोग उत्तर से जोड़ने वाली संचार लाइन पर ज़ोर बना रहे हैं...। अवध के लोग गाँव वाले हैं...।

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

these villagers are nearly intangible to Europeans melting away before them and collecting again. The Civil Authorities report these villagers to amount to a very large number of men, with a number of guns.

य गाँव वाले य्रोपियों की पकड से बिलकुल बाहर हैं। पल में बिखर जाते हैं, पल में फिर जुट जाते हैं। शासकीय अधिकारियों का कहना है कि इन गाँव वालों की संख्या बहुत बड़ी है और उनके पास बाकायदा बंदूकें हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Images of the Revolt

❖ विद्रोह की छवियां

"द रिलीफ़ ऑफ़ लखनऊ" चित्रकार टॉमस जोन्स बार्कर, 1859

As we have seen, we have very few records on the rebels' point of view.

जैसा कि हम पीछे देख चुके हैं, विद्रोहियों की सोच के बारे में हमारे पास बहुत कम दस्तावेज़ मौजूद हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Official accounts, of course, abound: colonial administrators and military men left their versions in letters and diaries, autobiographies and official histories.

यह तो है ही कि इस बारे में सरकारी ब्योरों की कमी नहीं है : औपनिवेशिक प्रशासक और फ़ौजी अपनी चिट्ठियों, डायरियों, आत्मकथाओं और सरकारी इतिहासों में अपने-अपने ब्योरे दर्ज कर गए हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

We can also gauge the official mindset and the changing British attitudes through the innumerable memos and notes, assessments of situations, and reports that were produced.

असंख्य मेमों और नोट्स, परिस्थितियों के आकलन एवं विभिन्न रिपोटों के ज़रिए भी हम सरकारी सोच और अंग्रेज़ों के बदलते रवैय को समझ सकते हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

These tell us about the fears and anxieties of officials and their perception of the rebels.

य दस्तावेज़ हमें अफ़सरों के भीतर मौजूद भय और बैचेनी तथा विद्रोहियों के बारे में उनकी सोच का पता देते हैं।

One important record of the mutiny is the pictorial images produced by the British and Indians: paintings, pencil drawings, etchings, posters, cartoons, bazaar prints.

अंग्रेज़ों और भारतीयों द्वारा तैयार की गई तसवीरें सैनिक विद्रोह का एक महत्त्वपूर्ण रिकॉर्ड रही हैं। इस विद्रोह के बारे में कई चित्र, पेंसिल से बने रेखांकन, उत्कीर्ण चित्र, पोस्टर, कार्टून, और बाज़ार-प्रिंट उपलब्ध हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Celebrating the saviours

❖ रक्षकों का अभिनंदन

On 25 September James Outram and Henry Havelock arrived, cut through the rebel forces, and reinforced the British garrisons.

25 सितंबर को जेम्स ऑट्रम और हेनरी हेवलॉक वहां पहुँचे, उन्होंने विद्रोहियों को तितर–बितर कर दिया और ब्रिटिश टुकडियों को नयो मजबूती दी।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Twenty days later Colin Campbell, who was appointed as the new Commander of British forces in India, came with his forces and rescued the besieged British garrison. In British accounts the siege of Lucknow became a story of survival, heroic resistance and the ultimate triumph of British power.

20 दिन बाद भारत में ब्रिटिश टुकडियों का नया कमांडर कॉलिन कैम्पबेल भारी तादाद में सेना लेकर वहां पहुँचा और उसने ब्रिटिश रक्षकसेना को घेरे से छुड़ाया। अंग्रेज़ों के बयानों में लखनऊ की घेरेबंदी उत्तरजीविता, बहादुराना प्रतिरोध और ब्रिटिश सत्ता की निर्विवाद विजय की कहानी बन गई।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Barker's painting celebrates the moment of Campbell's entry. At the centre of the canvas are the British heroes – Campbell, Outram and Havelock. The gestures of the hands of those around lead the spectator's eyes towards the centre.

बार्कर की पेंटिंग कैम्पबेल के आगमन के क्षण का जश्न मनाती है। कैन्वस के मध्य में कैम्पबेल, ऑट्रम और हेवलॉक, इन तीन ब्रिटिश नायकों की छवियां हैं। उनके इर्द-गिर्द खड़े लोगों के हाथों को देखने पर दर्शक की निगाह चित्र के मध्य भाग की तरफ चली जाती है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The heroes stand on a ground that is well lit, with shadows in the foreground and the damaged Residency in the background.

य नायक एक एसे स्थान पर खड़े हैं जहां काफ़ी उजाला है, जिनके अगले हिस्से में परछाइं है और पिछली तरफ़ टूटा-फूटा रेज़ीडेंसी दिखाई देता है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The dead and injured in the foreground are testimony to the suffering during the siege, while the triumphant figures of horses in the middle ground emphasise the fact that British power and control had been re-established.

चित्र के अगले भाग में पड़े शव और घायल इस घेरेबंदी के दौरान हुई मारकाट की गवाही देते हैं जबकि मध्य भाग में घोड़ों की विजयो तसवीरें इस तथ्य पर ज़ोर देती हैं कि अब ब्रिटिश सत्ता और नियंत्रण बहाल हो चुका है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

To the British public such paintings were reassuring. They created a sense that the time of trouble was past and the rebellion was over; the British were the victors.

इस तरह के चित्रों से अंग्रेज़ जनता में अपनी सरकार के प्रति भरोसा पैदा होता था। इन चित्रों से उन्हें यह लगता था कि संकट की घडी जा चुकी है और विद्रोह ख़त्म हो चुका है : अंग्रेज़ जीत चुके हैं।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ English women and the honour of Britain

❖ अंग्रेज़ औरतें तथा ब्रिटेन की प्रतिष्ठा

"इन मेमोरियम", चित्रकार जोज़ेफ़ नोएल पेटन, 1859

The British government was asked to protect the honour of innocent women and ensure the safety of helpless children.

अंग्रेज़ अपनी सरकार से मासूम औरतों की इज़्ज़त बचाने और निस्सहाय बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने की माँग करने लगे।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

कानपुर में सिपाहियों से अपनी रक्षा करती मिस व्हीलर।

"In Memoriam" was painted by Joseph Noel Paton two years after the mutiny.

जोज़ेफ़ नोएल पेटन ने सैनिक विद्रोह के दो साल बाद "इन मेमोरियम" बनाई।

Miss Wheeler in Figure 11.12 stands firmly at the centre, defending her honour, single-handedly killing the attacking rebels.

चित्र में मिस व्हीलर मध्य में दृढ़तापूर्वक खड़ी है। वह अकेले ही विद्रोहियों को मौत की नींद सुलाते हुए अपनी इज़्ज़त की रक्षा करती है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

The woman's struggle to save her honour and her life, in fact, is represented as having a deeper religious connotation: it is a battle to save the honour of Christianity.

यहां इज़्ज़त और ज़िंदगी की रक्षा के लिए औरत के संघर्ष की आड में दरअसल एक गहरे धार्मिक विचार को प्रस्तुत किया गया है – यह ईसाइयत की रक्षा का संघर्ष है।

कानपुर में सिपाहियों से अपनी रक्षा करती मिस व्हीलर।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ Vengeance and retribution

❖ प्रतिशोध और सबक़

As waves of anger and shock spread in Britain, demands for retribution grew louder.

जैसे-जैसे ब्रिटेन में गुस्से और सकते का माहौल बनता गया, बदले की माँग बुलंद होती गई।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

It was as if justice demanded that the challenge to British honour and power be met ruthlessly.

माहौल एसा था मानो न्याय के मूल्यों की रक्षा के लिए ब्रिटिश प्रतिष्ठा और सत्ता को दी जा रही चुनौती को निर्ममता से कुचलना ज़रूरी था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

जस्टिस (न्याय), पन्च, *12 सितंबर 1857*

चित्र के नीचे पट्टी पर लिखा है–"कानपुर में हुए भीषण जनसंहार के समाचार ने समूचे इंग्लैंड में प्रतिशोध की गहरी चाह और भयानक अपमान का भाव पैदा कर दिया है।"

In one such image we see an allegorical female figure of justice with a sword in one hand and a shield in the other.

एसी ही एक तसवीर में हमें न्याय की एक रूपकात्मक स्त्री छवि दिखाई देते है जिसके एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में ढाल है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

There were innumerable other pictures and cartoons in the British press that sanctioned brutal repression and violent reprisal.

इनके अलावा भी ब्रिटिश प्रेस में असंख्य दूसरी तसवीरें और कार्टून थे जो निर्मम दमन और हिंसक प्रतिशोध की ज़रूरत पर ज़ोर दे रहे थे।

THE BRITISH LION'S VENGEANCE ON THE BENGAL TIGER.

चित्र के नीचे पट्टी पर लिखा है– "बंगाल टाइगर से ब्रिटिश शेर का प्रतिशोध", पन्च, 1857

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

- **The performance of terror**
- **दहशत का प्रदर्शन**

The urge for vengeance and retribution was expressed in the brutal way in which the rebels were executed.

प्रतिशोध और सबक़ सिखाने की चाह इस बात में भी प्रतिबिम्बित होती है कि विद्रोहियों को कितने निर्मम ढंग से मौत के घाट उतारा गया।

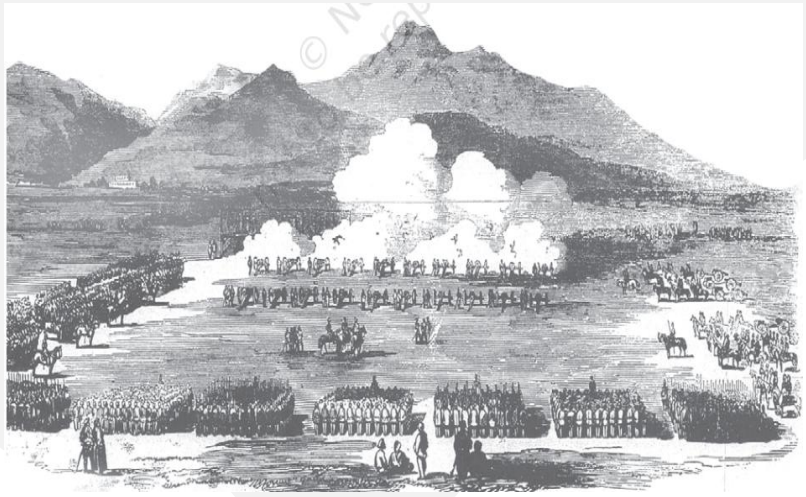

एग्ज़ीक्यूशन ऑफ़ म्यूटिनियर्स ऐट पेशावर : ब्लोइंग फ्रॉम द गन्स (पेशावर में विद्रोहियों को मृत्युदंड : तोप से उड़ाते हुए), इलस्ट्रेटेड लंदन न्यूज़, *3 अक्टूबर 1857*

यहाँ मृत्युदंड का दृश्य एक नाटक के रंगमंच जैसा दिखाई देता है – निर्मम सत्ता का नाट्य मंचन। पूरे दृश्य पर वर्दियों में सजे घुड़सवार सैनिक और सिपाही हावी दिखाई देते हैं। उन्हें अपने साथी सिपाहियों की मृत्यु का दृश्य देखना है और विद्रोह के भयानक परिणामों को महसूस करना है।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

They were blown from guns, or hanged from the gallows. Images of these executions were widely circulated through popular journals.

उन्हें तोपों के मुहाने पर बाँधकर उड़ा दिया गया या फ़ाँसी पर लटका दिया। इन सज़ाओं की तसवीरें आम पत्र-पत्रिकाओं के ज़रिय दूर-दूर तक पहुँच रही थीं।

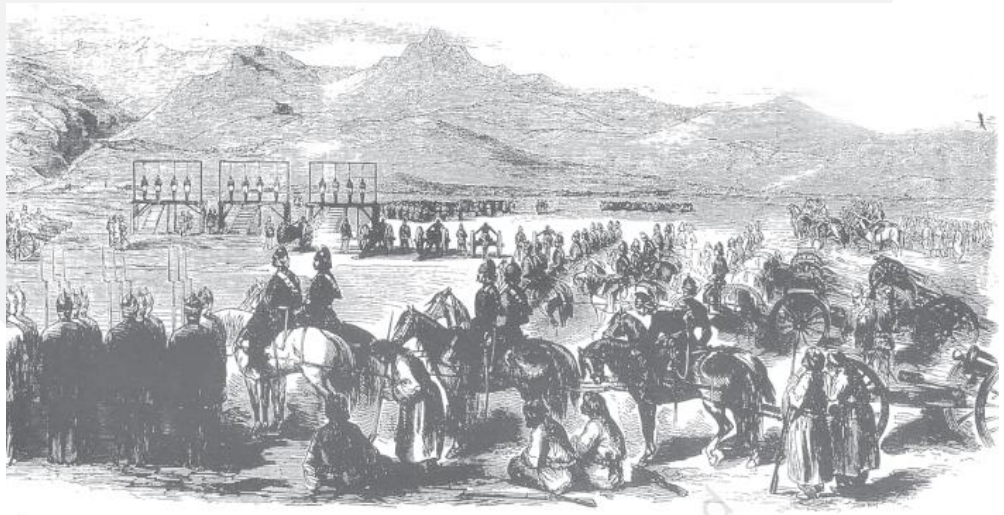

एग्ज़ीक्यूशन ऑफ़ म्यूटिनियर्स ऐट पेशावर (पेशावर में विद्रोहियों को मृत्युदंड), इलस्ट्रेटेड लंदन न्यूज़, *3 अक्टूबर 1857.*
मृत्युदंड के इस दृश्य में 12 विद्रोही एक क़तार में लटके हुए हैं और चारों तरफ़ तोपें तैनात हैं। यह सामान्य दंड का दृश्य नहीं है, यह दहशत का प्रदर्शन है। लोगों को ये अहसास कराने की कोशिश की जा रही है कि सज़ा किसी बंद जगह पर नहीं बल्कि लोगों के बीच भी दी जा सकती है। उसे खुले में नाटकीय ढंग से प्रस्तुत करना ज़रूरी था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

❖ No time for clemency

❖ दया के लिए कोई जगह नही

When Governor General Canning declared that a gesture of leniency and a show of mercy would help in winning back the loyalty of the sepoys, he was mocked in the British press.

जब गवर्नर–जनरल कैनिंग ने एलान किया कि नर्मी और दया भाव से सिपाहियों की वफ़ादारी हासिल करने में मदद मिलेगी तो ब्रिटिश प्रेस में उसका मज़ाक उड़ाया गया।

"द क्लिमेंसी ऑफ़ केनिंग" (केनिंग का दयाभाव), पन्च, *24 अक्टूबर 1857*
नीचे की पट्टी : गवर्नर जनरल : "बिलकुल सही, फिर वे उसे घिनौनी बंदूकों से नहीं उड़ाएँगे बशर्ते वो एक अच्छा सिपाही बनने का वादा करे।"

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

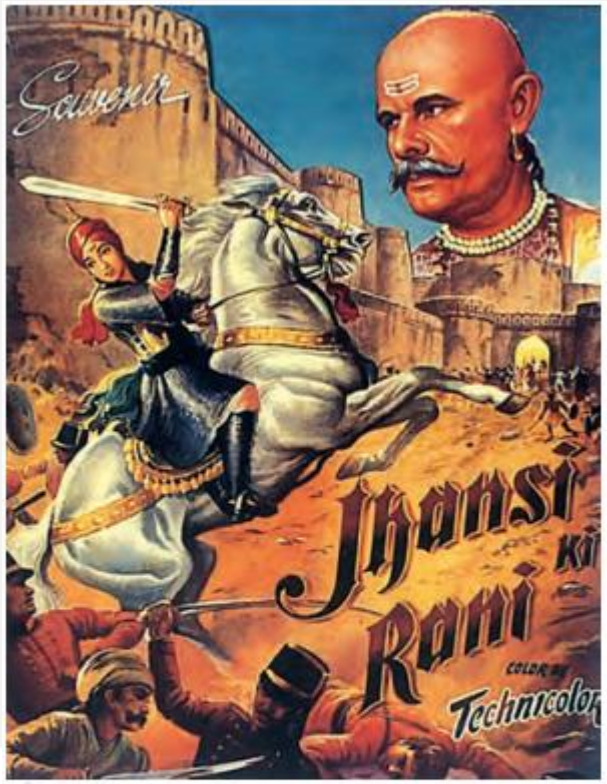

चित्र 11.18
फ़िल्मों और पोस्टरों ने रानी लक्ष्मीबाई की छवि को एक मर्दाना योद्धा के रूप में स्थापित करने में मदद की।

- **Nationalist imageries**
- **राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना**

A whole world of nationalist imagination was woven around the revolt.

इस विद्रोह के इर्द-गिर्द राष्ट्रवादी कल्पना का एक विस्तृत दृश्य जगत बुन दिया गया था।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

Heroic poems were written about the valour of the queen who, with a sword in one hand and the reins of her horse in the other, fought for the freedom of her motherland.

एक हाथ में घोड़े की रास और दूसरे हाथ में तलवार थामे अपनी मातृभूमि की मुक्ति के लिए लड़ाई लड़ने वाली रानी के शौर्य का गौरवगान करते हुए कविताएँ लिखी गईं।

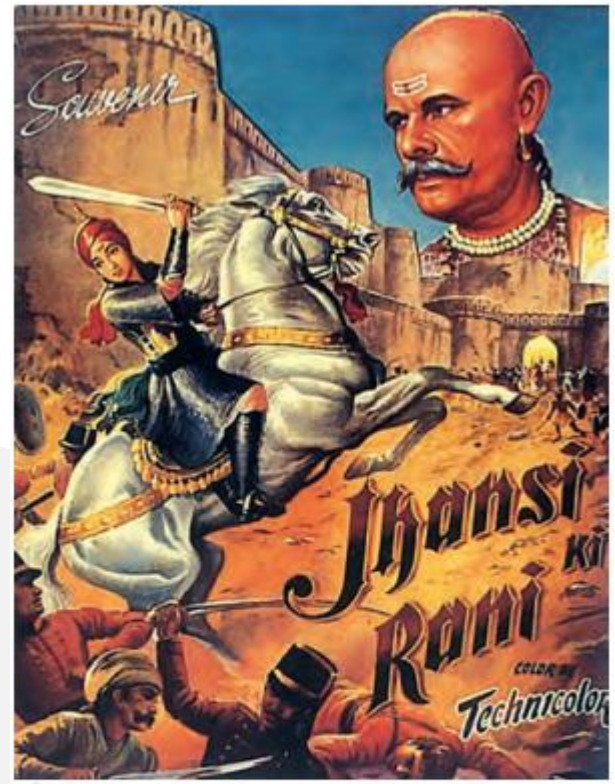

चित्र 11.18
फ़िल्मों और पोस्टरों ने रानी लक्ष्मीबाई की छवि को एक मर्दाना योद्धा के रूप में स्थापित करने में मदद की।

THEME ELEVEN

REBELS AND THE RAJ विद्रोही और राज

THE REVOLT OF 1857 AND ITS REPRESENTATIONS

1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

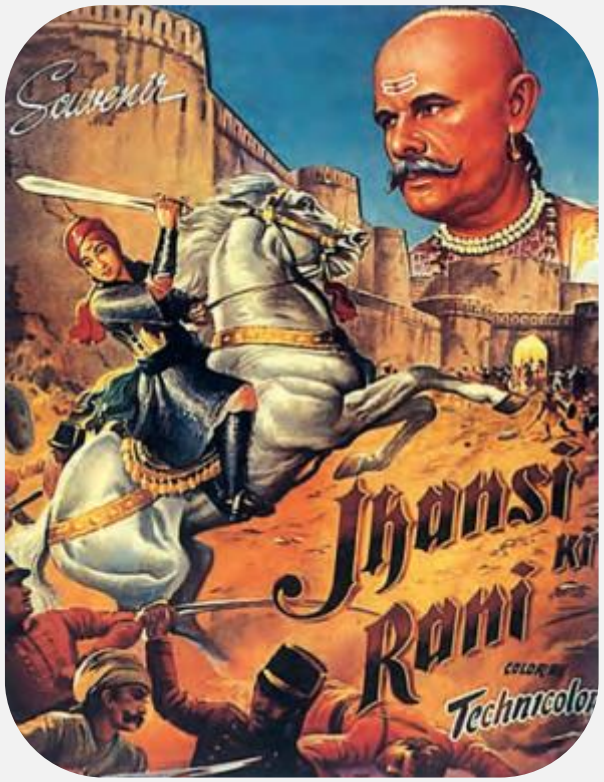

Rani of Jhansi was represented as a masculine figure chasing the enemy, slaying British soldiers and valiantly fighting till her last.

रानी झाँसी को एक एसी मर्दाना शख़्सियत के रूप में चित्रित किया जाता था जो दुश्मनों का पीछा करते हुए और ब्रिटिश सिपाहियों को मौत की नींद सुलाते हुए आगे बढ़ रही है।

THANKS
FOR
WATCHING